RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:222 ता. 28 फरवरी 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

गश्त कर रहे BSF जवानों पर जानलेवा हमला, हथियार छीने; बांग्लादेशियों ने मचाया उत्पात

ओडिशा। बांग्लादेशी किसानों ने सीमा पर गश्त कर रहे बीएसएफ के दो जवानों पर हमला कर दिया। इस घटना में जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि बांग्लादेशी किसान अपने मवेशियों को चराने के लिए भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे। बीएसएफ ने एक बयान में कहा कि यह घटना निर्मलचर सीमा चौकी के पास उस समय हुई जब 35वीं बटालियन के दो जवान गश्त कर रहे थे। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, भारतीय किसानों ने शिकायत की थी कि बांग्लादेश के किसान कथित तौर पर मवेशियों को चराने के लिए उनके खेतों में घुस जाते हैं और जानबूझकर उनकी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। बीएसएफ के जवानों ने किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीमा के पास अस्थायी रूप से एक चौकी स्थापित की थी। रविवार को जब क्षेत्र में गश्त कर रहे दो जवानों ने बांग्लादेशी किसानों को अपने मवेशियों को सीमा पार लाने से रोकने की कोशिश की तो दर्जनों बदमाशों ने उन पर लाठी-डंडों और तेज धार वाले औजारों से हमला कर दिया, जो मुख्य रूप से खेती में काम आते हैं। बयान में कहा गया है, ÷हमले में दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। बदमाश उनके हथियार छीनने के बाद बांग्लादेश भाग गए। सूचना मिलने पर और सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और दोनों जवानों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। उधर, बीएसएफ ने इस मुद्दे को बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) के सामने उठाया है और फ्लैग मीटिंग बुलाई है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के अलावा हथियारों की बरामदगी की जा सके। बयान में कहा गया है, बीएसएफ जवानों पर पहले भी कई बार सुनियोजित तरीके से बदमाशों और उनके साथियों ने हमला किया है, लेकिन फिर भी जवान अपने मंसूबों को कामयाब नहीं होने देते। निर्मलचर का इलाका बहुत मुश्किल है

बजट 2023 के बाद पीएम मोदी का वेबिनार, कहा-

'सरकारी कार्यों की सफलता की सबसे अनिवार्य शर्त है-गुड गवर्नेंस

पीएम मोदी ने इस वेबिनार में कहा- 2019 तक ग्रामीण इलाकों में 3 करोड़ घरों में नल से जल जाता था जो अब 11 करोड़ से अधिक हो चुकी है। एक साल में ही 60000 अमृत सरोवर का काम शुरू हुआ और अब तक 30000 से अधिक बन चुके हैं।

नई दिल्ली। बजट के बाद के एक वेबिनार में पीएम मोदी बजट को लेकर बात कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बजट के बाद के वेबिनार को संबोधित किया, जो विशेष रूप से रीचिंग द लास्ट माइल पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि रीचिंग द लास्ट माइल का दृष्टिकोण और योजनाओं का धरातल पर क्रियावयन नीति एक दूसरे के पूरक हैं।

पीएम मोदी ने इस बजट के बाद के वेबिनार में कहा कि हमारे देश में पुरानी अवधारणा रही है कि लोगों का कल्याण और देश का विकास सिर्फ धन से होता है। ऐसा नहीं है, देश और देशवासियों

के विकास के लिए धन जरूरी है लेकिन उसके लिए मन भी चाहिए। सरकारी कार्यों और योजनाओं की सफलता की सबसे अनिवार्य शर्त है गुड गवर्नेंस।

पीएम मोदी ने मिशन इंद्रधनुष के बारे में बताया

प्रधानमंत्री मोदी ने वेबिनार में आगे कहा कि इस पहले देश में दूर-दराज़ के इलाकों तक वैक्सीन पहुंचने में कई दशक लग जाते थे। देश के करोड़ों बच्चे को वैक्सीन के लिए इंतजार करना पड़ता था। अगर पुरानी व्यवस्था के साथ काम करते तो वैक्सीनेशन कवरेज को शत-प्रतिशत करने में कई दशक बीत जाते। हमने मिशन इंद्रधनुष शुरू किया और इसे सुधारा।

60,000 अमृत सरोवर का काम शुरू हुआ- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया, 2019 तक ग्रामीण इलाकों में 3 करोड़ घरों में नल से जल जाता था जो अब 11 करोड़ से अधिक हो चुकी है। एक साल में ही 60,000 अमृत सरोवर का काम शुरू हुआ और अब तक 30,000 से अधिक बन चुके हैं। यह अभियान दूर-सुदूर लोगों का जीवन सुधार रहे, जो सालों से ऐसी व्यवस्था का इंतज़ार कर रहे थे।

यूपी पीसीएस परीक्षा का बदल रहा है पैटर्न, इसी हफ्ते आ सकता है विज्ञापन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) 2023 के लिए विज्ञापन इसी सप्ताह आने की संभावना है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग आमतौर पर जनवरी में पीसीएस की चयन प्रक्रिया शुरू कर देता है, लेकिन इस साल परीक्षा पैटर्न में संशोधन के कारण देरी हो रही थी। बीते बुधवार को कैबिनेट से संशोधित पैटर्न को मंजूरी मिलने के बाद नये विज्ञापन का रास्ता साफ हो गया है। नई चयन प्रक्रिया में मुख्य परीक्षा से वैकल्पिक विषय की अनिवार्यता को समाप्त कर उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए समान्य ज्ञान के दो प्रश्नपत्र जोड़े गए हैं। इस संशोधन को विज्ञापन में भी शामिल करना है। ऐसे में एक-दो दिन में विज्ञापन जारी हो सकता है। वैसे भी आयोग के पास समय नहीं बचा है। कैलेंडर में प्रारंभिक परीक्षा की तिथि 14 मई निर्धारित की गई है।

अग्निवीर योजना पर दिल्ली हाई कोर्ट ने लगाई मुहर, देश और सेना के हित में बताया

नई दिल्ली। सेना में भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ योजना में हस्तक्षेप से दिल्ली हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। उच्च न्यायालय ने अग्निवीरों की भर्ती के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की योजना के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि योजना में हस्तक्षेप के लिए कोई वजह नहीं मिली है और इसलिए सभी याचिकाओं को खारिज किया जाता है। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि योजना को देशहित और सशस्त्र बलों को बेहतर सुसज्जित करने के लिए तैयार किया गया है। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस और जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने रक्षा

सेवाओं में पिछली भर्ती योजना के अनुसार बहाली और नामांकन की मांग वाली याचिकाओं को भी यह कहते हुए खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ताओं को भर्ती करने का कोई निहित अधिकार नहीं है।

कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा, इस कोर्ट को योजना में हस्तक्षेप की कोई वजह नहीं मिली है। अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज किया जाता है। कोर्ट ने इस पर 15 दिसंबर 2022 को अपना फैसला सुरक्षित रख किया था। केंद्र सरकार ने अग्निपथ योजना का ऐलान पिछले साल 14 जून को किया था। इस योजना के तहत साढ़े 17 से 23 साल के बीच के युवा आवदेन कर सकते हैं। 4 साल के कार्यकाल के लिए इनकी भर्ती होगी। 4 साल बाद 75 फीसदी अग्निवीर को सेवामुक्त कर दिया जाएगा, जबकि इनमें से 25 फीसदी को सेवा विस्तार मिलेगा। योजना के ऐलान के बाद यूपी-बिहार समेत देश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन हुए थे। अलग-अलग कोर्ट में इसे चुनौती दी गई तो 19 जुलाई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं को दिल्ली हाई कोर्ट में ट्रांसफर किया था। सर्वोच्च अदालत ने केरल, पंजाब और हरियाणा, पटना और उत्तराखंड हाईकोर्ट को अपने सामने पेंडिंग याचिकाओं को दिल्ली हाई कोर्ट भेजने या फिर फैसला आने तक पेंडिंग रखने को कहा था। पिछले साल अगस्त में हाई कोर्ट की एक बेंच ने अग्निपथ योजना को रोकने से इनकार कर दिया था।

प्रधानमंत्री की मेघालय और नागालैंड के युवाओं से रिकार्ड मतदान करने की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेघालय और नागालैंड के युवा मतदाताओं से आज (सोमवार) रिकार्ड मतदान करने की अपील की है। उन्होंने इस बारे में ट्वीट किया है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट में कहा है-मेघालय और नागालैंड के लोगों, विशेष रूप से युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से आज रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने का आग्रह करता हूं। उल्लेखनीय है कि नागालैंड और मेघालय विधानसभा के चुनाव के लिए मतदान शुरू हो चुका है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के सागरदिघी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भी वोटिंग शुरू हो चुकी है। मेघालय विधानसभा

प्रधानमंत्री ने ट्वीट में कहा है-मेघालय और नागालैंड के लोगों, विशेष रूप से युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से आज रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने का आग्रह करता हूं। उल्लेखनीय है कि नागालैंड और मेघालय विधानसभा के चुनाव के लिए मतदान शुरू हो चुका है।

चुनाव में शुरुआती मतदान को प्रोत्साहित करने के लिए पहले पांच मतदाताओं को सम्मानित किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी मेघालय और नागालैंड विधानसभा चुनाव के लिए लोगों से भारी मतदान की अपील की है।

मूसेवाला मर्डर में पुलिस का दूसरा फेलियर, पहले गिरफ्त से भागा था गैंगस्टर टीनू, अब जेल में हुआ दो आरोपियों का कत्ल

लुधियाना। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला कत्लकांड के बाद बेशक पुलिस ने 36 के करीब आरोपी नामजद कर गिरफ्तार कर लिए हैं, लेकिन पंजाब पुलिस का इस कत्लकांड में दूसरा बड़ा फेलियर सामने आया। पहले मामले में मानसा CIA इंस्पेक्टर प्रीतपाल की लापरवाही सामने आई, जिसमें मिलीभगत करके खूंखार गैंगस्टर दीपक टीनू भगा दिया गया।

टीनू को पकड़ने के लिए पुलिस ने काफी ट्रेप लगाए। बदमाश को 18 दिन बाद राजस्थान से अजमेर जिले के विधानसभा क्षेत्र केकड़ी से पकड़ा।

अब दूसरी बड़ी लापरवाही गोइंदवाल जेल में सामने आई है। जेल प्रशासन की

बड़ी लापरवाही है कि पंजाब के इतने बड़े कत्लकांड के आरोपियों पर अधिकारी नजर नहीं रख पाए। जेल में गैंगवार होने से कानून व्यवस्था चरमरा गई है। बदमाश मनदीप सिंह तूफान और मनमोहन सिंह मोहना की हत्या ने जेल अधिकारियों को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

30 से 40 लोगों के पास कहां से आए हथियार ?

गोइंदवाल जेल अपने आप में हाई-सिक्योरिटी जेल है। अब सवाल उठता है कि जेल में हथियार कहां से पहुंचे, जिनसे 30 से 40 लोग आपस में भिड़े। इस गैंगवार में रॉडों का भी इस्तेमाल हुआ है। बताया जा रहा है कि एक बैरक में 30 से 40 हवालातियों को रखा गया है, जिस कारण ये गैंगवार हुई।

दोनों गैंग की आपसी रंजिश की अधिकारियों को भनक नहीं

सूत्रों के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से लॉरेंस और जग्गू गैंग के लोगों में आपसी छुटपुट कहासुनी होती रहती थी, लेकिन जेल के अधिकारी दोनों गैंग के सदस्यों की जेल में हो रही एक्टिविटी पर नजर रखने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए। यह भी सामने आ रहा है कि जेल अधिकारी समय पर बैरकों की चेकिंग नहीं करते, जिस कारण उन्हें दोनों गैंग की रंजिश का पता नहीं चल पाया।

इंटेलिजेंस हुई नाकाम

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने जेल में हुए इस डबल मर्डर की जिम्मेवारी ली, लेकिन वारदात से पहले तक इंटेलिजेंस एजेंसियों को इसका पता नहीं चल पाया कि गोल्डी बराड़ और लॉरेंस ने अपना गैंग जग्गू भगवानपुरिया से अलग कर लिया है। आपसी रंजिश के चलते गोल्डी बराड़ इस वारदात को अंजाम देने वाला है।

9 साल तक केजरीवाल जिस काम से रहे दूर, अब उसके लिए मजबूर ? दो ही रास्ते और दोनों में एक मुश्किल

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के दूसरे सबसे बड़े नेता मनीष सिसोदिया को रविवार शाम सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया। शराब घोटाले में घिरे सिसोदिया को 9 घंटे तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। सिसोदिया को बेल कब मिलेगी और वह जेल से कब बाहर निकल पाएंगे यह तो आने वाला समय बताएगा, लेकिन पेशी से पहले उन्होंने खुद आशंका जाहिर की कि 8-10 महीने अंदर रहना पड़ सकता है। सिसोदिया को यदि जल्दी बेल नहीं मिलती है तो दिल्ली की आम आमदी पार्टी सरकार के लिए चुनौतियां बढ़ जाएंगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दाएं हाथ कहे जाने वाले सिसोदिया सरकार में आधे से अधिक विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वित्त, शिक्षा, स्वास्थ्य,रोजगार, श्रम समेत 18 महवत्वपूर्ण विभागों का काम देखने वाले सिसोदिया की गिरफ्तारी से सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि इन जिम्मेदारियों को अब कौन संभालेगा?केजरीवाल 9 साल से दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उन्होंने अपने पास कोई मंत्रालय नहीं रखा है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि केजरीवाल को पहली बार कुछ अहम मंत्रालयों का कामकाज अपने हाथ में लेना पड़ सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि

अरविंद केजरीवाल के पास विकल्पों का अभाव है, लेकिन वह सिसोदिया के विभागों का जिम्मा अपने हाथ में नहीं लेना चाहेंगे। इसकी वजह यह है कि 2024 से पहले वह पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देना चाहते हैं। ऐसे में यदि सिसोदिया के 18 विभागों का जिम्मा वह अपने हाथ में लेते हैं तो विस्तार योजना के लिए अधिक समय नहीं दे पाएंगे। केजरीवाल यदि पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों में ताबड़तोड़ दौरे करके पार्टी के लिए स्थान बना पाए तो उसकी मुख्य वजह यही है कि सिसोदिया सरकार के हर कामकाज को उनकी अनुपस्थिति में संभालते रहे।

कैबिनेट फेरबदल का चुनेंगे रास्ता?

केजरीवाल के पास दूसरा रास्ता कैबिनेट फेरबदल का है। सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को कुछ विभाग सौंप सकते हैं। दूसरा विकल्प कैबिनेट विस्तार का भी हो सकता है। हालांकि, इसके लिए किसी मंत्री से इस्तीफा कराना होगा। माना जा रहा है कि पिछले साल मई से ही बंद सत्येंद्र जैन से इस्तीफा कराया जा सकता है। मार्च के पहले या दूसरे सप्ताह में दिल्ली का बजट भी पेश होने वाला है। ऐसे में जल्द ही केजरीवाल को कोई फैसला करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा बढ़ा दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को गिरफ्तारी से मिली अंतरिम राहत की अवधि बढ़ा दी। उन्हें 23 फरवरी को दिल्ली हवाई अड्डे पर असम पुलिस ने गिरफ्तार किया था, लेकिन बाद में शीर्ष अदालत ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी। असम सरकार और उत्तर प्रदेश को अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया है और उसी के लिए अस्थायी सुनवाई शुक्रवार को होगी। पवन खेड़ा कांग्रेस पार्टी के 85वें पूर्ण अधिवेशन में शामिल होने के लिए दिल्ली से रायपुर जा रहे थे, तभी उन्हें असम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आईजीपी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार भुइयां ने एएनआई को बताया कि कांग्रेस नेता पर आपराधिक साजिश रचने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने वाली उनकी टिप्पणी पर सांप्रदायिक वैमनस्य भड़काने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

पवन खेड़ा कांग्रेस पार्टी के 85वें पूर्ण अधिवेशन में शामिल होने के लिए दिल्ली से रायपुर जा रहे थे, तभी उन्हें असम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आईजीपी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार भुइयां ने एएनआई को बताया कि कांग्रेस नेता पर आपराधिक साजिश रचने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने वाली उनकी टिप्पणी पर सांप्रदायिक वैमनस्य भड़काने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

शिमला में पाकिस्तानी गुब्बारा मिलने से हड़कंप

शिमला। हिमाचल की राजधानी शिमला के उपमंडल कुमार सैन में एक संदिग्ध गुब्बारा मिलने से सनसनी मच गई है। प्राथमिक जांच में गुब्बारा पाकिस्तान का लग रहा है। जानकारी के अनुसार, कुमारसैन के प्रेमनगर गांव में बगीचे में एक पाकिस्तान का गुब्बारा मिला है, जिसके बाद बगीचे के मालिक ने इसकी सूचना पुलिस थाना कुमारसैन को दी। पुलिस ने गुब्बारे को अपने कब्जे में कर छानबीन शुरू कर दी है। कुमारसैन के ग्राम पंचायत मलेंडी के प्रेमनगर गांव में एक पाकिस्तान का गुब्बारा मिलने की सूचना पुलिस मिली। बगीचे के मालिक रवि मेहता ने बताया की उसके बगीचे में एक पाकिस्तानी गुब्बारा मिला है। मेहता ने बताया कि इस गुब्बारे से बच्चे खेल रहे थे। जब बच्चों से गुब्बारा कहा से मिला पूछा, तब बच्चों बताया कि ये गुबारा सेब के पेड़ में लटका था, जिसके बाद बच्चों ने पेड़ से गुब्बारे को निकाल कर उसके साथ खेलना शुरू कर दिया था।

भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ जवानों पर हमला

-दो जवान गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ जवानों पर 100 से अधिक बांग्लादेशी बदमाशों और ग्रामीणों द्वारा हमला किया, जिसमें दो जवान गंभीर रूप से घायल हुए है। बीएसएफ जवान भारतीय किसानों की सुरक्षा के लिए अपनी ड्यूटी पर थे। तभी उन पर सीमा पार से बदमाशों ने हमला कर उनके हथियार भी लूट ले गए। बीएसएफ को इसकी जानकारी मिली उन्होंने मामले को बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) के सामने उठाकर तुरंत फ्लैग मीटिंग बुलाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीएसएफ ने बताया कि यह घटना बंगाल फ्रंटियर के बेरहामपुर सेक्टर के अंतर्गत सीमा चौकी निर्मलचर, 35 बटालियन के इलाके में हुई। भारतीय किसानों की शिकायतों के अनुसार, बांग्लादेशी किसान अपने मवेशियों को चराने भारतीय किसानों के खेतों में प्रवेश कर जानबूझकर उनकी फसलों को नुकसान पहुंचाते है। भारतीय किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीएसएफ के जवानों ने अस्थाई रूप से सीमा के पास एक चौकी बना ली थी। निर्मलचर के बीएसएफ जवान सीमा पर ड्यूटी कर रहे थे, तभी उन्होंने बांग्लादेशी किसानों को और उनके मवेशियों को भारतीय किसानों के खेतों में लाने से रोक दिया। देखते ही देखते बांग्लादेश से 100 से अधिक ग्रामीणों और बदमाशों ने भारतीय सीमा में घुसकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से जवानों पर हमला कर दिया। इस हमले में दो जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। बदमाश उनके हथियार छीनने के बाद बांग्लादेश भाग गए। सूचना मिलते ही बीएसएफ के और जवान घटनास्थल पर पहुंच गए और घायल जवानों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए ले गए। बीएसएफ के अधिकारियों ने तुरंत घटना के बारे में बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) के अधिकारियों को सूचित किया और उन्हें फ्लैग मीटिंग आयोजित करने के लिए बुलाया। ताकि बांग्लादेशी बदमाशों से जवानों के हथियार बरामद किए जा सकें और घटना की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। घटना की जानकारी देकर साउथ बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता ने बताया कि जब तस्करों और आपराधिक मंशा वाले लोगों को सीमा पार अपनी अवैध गतिविधियों में सफलता नहीं मिलती है, तब वे जवानों पर हमला कर देते हैं। बीएसएफ जवानों पर पहले भी कई बार सुनियोजित तरीके से बदमाशों और उनके साथियों ने हमला किया है। लेकिन फिर भी हमारे जवान इसतरत के बदमाशों से निपटने में कामयाब रहते हैं।

नागरिकों की संपत्ति और जीवन की सुरक्षा करना सरकार का फर्ज : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह सुनिश्चित करना किसी भी राज्य का कर्तव्य है कि उसके नागरिकों के जीवन और संपत्ति की हर समय सुरक्षा हो। जस्टिस के.एम. जोसेफ और जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की बेंच ने हरियाणा के झज्जर की एक अदालत में लंबित एक आपराधिक मामले को दिल्ली की अदालत में ट्रांसफर करने के अनुरोध वाली याचिका पर फैसला करते हुए यह टिप्पणी की। ट्रांसफर याचिका झज्जर के 38 लोगों की तरफ से दायर की गई है, जिनकी संपत्तियों को 2016 के आंदोलन के दौरान जाट समुदाय के सदस्यों द्वारा कथित रूप से तोड़ दिया गया था। यह आंदोलन सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की मांग को लेकर किया गया था। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इस आंदोलन के दौरान जाट समुदाय के सदस्यों ने तोड़फोड़ की और आगजनी की। आरोप है कि उनके घर, गोदामों और अन्य सामान को आग लगा दी गई, जिससे भारी अपूरणीय क्षति हुई। पीड़ित सुनील सैनी के नेतृत्व में याचिकाकर्ताओं ने मामले को इस आधार पर ट्रांसफर करने का अनुरोध किया कि एक वकील, जो कथित तौर पर बहुत प्रभावशाली है और बार का अध्यक्ष रह चुका है, के कारण कुछ महत्वपूर्ण गवाहों को मुकरने पर मजबूर किया गया और सामग्री दस्तावेज साक्ष्य रिकॉर्ड पर नहीं रखा गया है।

कश्मीरी पंडितों की टार्गेट किलिंग पर फूटा लोगों का गुस्सा, भाजयुमो ने किया प्रदर्शन, कई स्थानों पर कैंडल मार्च

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादियों ने रविवार को एक 40 साल के कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी है। यह इस साल कश्मीर में टारगेट किलिंग की पहली घटना है। इस घटना के बाद कश्मीरी पंडितों में एक बार फिर गुस्सा, दुख और नाराजगी है। कश्मीरी पंडितों की टार्गेट किलिंग पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने विरोध प्रदर्शन किया है और इस घटना के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। गांदरबल जिले और अन्य स्थानों पर मौन कैंडललाइट मार्च निकाला गया। लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कश्मीरी पंडितों ने कहा कि उन्हें घाटी में कुत्तों की तरह मारा जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष मोहम्मद अमीन शाह ने पुलवामा में सुरक्षाकर्मी पंडित की हत्या के खिलाफ रविवार सुबह गांदरबल कस्बे के क्लॉक टावर पर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। हत्या को कश्मीर में दुर्भाग्यपूर्ण और काला अध्याय करार देते हुए अमीन शाह ने कहा कि ऐसी घटनाएं कश्मीर के लोगों में दुख और संकट पैदा करती हैं। पुलिस ने कहा कि हत्यारों को जल्द ही पकड़ा जाएगा और सजा दी जाएगी। डीआईजी (दक्षिण कश्मीर) रईस मुहम्मद भट ने कहा कि हम तेजी से कार्रवाई कर रहे हैं और जांच कर रहे हैं। एलजी मनोज सिन्हा ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और कहा कि सुरक्षा बलों को आतंकवाद के ऐसे कृत्यों का दृढ़ता और निर्णायक रूप से मुकाबला करने के लिए खुली छूट दी गई है। कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति ने ट्वीट किया, सरकार और बीजेपी 75 लाख कश्मीरी आबादी को संभाल नहीं सकते हैं और पाक अधिकृत बलूचिस्तान को नियंत्रित करना चाहते हैं। कश्मीरी पंडितों को कश्मीर में कुत्तों की तरह मार दिया जाता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय और जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल के कार्यालय को बता दें कि कश्मीर इस दुनिया में कश्मीरी पंडितों के लिए सबसे खतरनाक जगह है। 2022 में जम्मू-कश्मीर में मारे गए 19 नागरिकों में आठ प्रवासी मजदूर थे।

अखिलेश यादव ने सिसोदिया की गिरफ्तारी को बताया भाजपा की बड़ी साजिश का हिस्सा, कहा- हार मान चुकी है पार्टी

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद पूरे देश की राजनीति में हलचल दिखाई देने लगी हैं। दिल्ली के 18 सरकारी विभागों को संभालने वाली सिसोदिया अपने उपर लगे सभी आरोपों को राजनीतिक बताते रहे हैं। आम आदमी पार्टी लगातार भाजपा की केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है और सिसोदिया की गिरफ्तारी को गंदी राजनीति बता रही हैं। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं सहित कई बड़े नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और 27 फरवरी को काला दिन बताया। मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी का विरोध केवल आम आदमी पार्टी ही नहीं बल्कि पूरा विपक्ष कर रहा है। उस कड़ी में अब अखिलेश यादव भी जुड़ गये हैं।

सिसोदिया की गिरफ्तारी को लेकर अखिलेश यादव ने साझा भाजपा पर निशाना

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भ्रष्टाचार के आरोप में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि यह कार्रवाई एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। अखिलेश ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी का जिक्र आने पर कहा यहां यह बात समझनी होगी कि इसमें कौन-कौन मिला हुआ है। यह एक बड़ी साजिश है। हमें तो यह पढ़ने को मिल रहा है कि भाजपा का कोई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ है, वह भी इसमें शामिल है। उन्होंने कहा इस तरह के जितने भी विपक्षी नेता हैं, उनके खिलाफ जांच चल रही हैं। जितनी भी संस्थाएं हैं, चाहे आयकर विभाग हो, चाहे प्रवर्तन निदेशालय हो या सीबीआई हो, सबको लगाया जा रहा है ताकि आने वाले लोकसभा चुनाव को प्रभावित किया जा सके। जनता यह देख रही है।

बेरोजगारी को लेकर केंद्र सरकार की खिंचाई की

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा के पास बेरोजगारी और महंगाई का कोई जवाब नहीं है। जिस तरीके से देश की संपत्तियां बेची जा रही हैं.... सरकार के पास उसका भी जवाब नहीं है। आप उत्तर प्रदेश को ही देख लीजिए। यहां की राज्यपाल के अभिभाषण में राज्य में बेरोजगारी की दर चार प्रतिशत बताई जा रही है। बजट भाषण में भी चार प्रतिशत बेरोजगारी दर बताई गई है। इसका मतलब यह हुआ उत्तर प्रदेश के 90 प्रतिशत से अधिक पढ़ने-लिखने वाले नौजवानों को रोजगार या नौकरी मिली हुई है मगर क्या यह सच है? इससे पहले, अखिलेश ने सोमवार को एक ट्वीट में भी कहा दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले मनीष सिसोदिया जी को गिरफ़्तार करके भाजपा ने साबित कर दिया है कि वह शिक्षा ही नहीं बल्कि दिल्ली के बच्चों के भविष्य के ख़िलाफ़ भी है।

दिल्ली की जनता इसका जवाब अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को राज्य की सातों सीटें हराकर देगी। एक अन्य ट्वीट में सपा अध्यक्ष ने कहा मनीष सिसोदिया की गिरफ़्तारी ने साबित कर दिया है कि भाजपा सरकार वर्ष 2024 से पहले ही अपनी हार मान चुकी है, इसीलिए अलग-अलग प्रदेशों में विपक्षी राजनीतिक शक्तियों को झूठे मुक़दमों में फँसा रही है, लेकिन संघर्षशील लोग जेल जाने से नहीं डरते।सच को भला कब तक गिरफ़्तार रखा जा सकता है। गौरतलब है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने वर्ष 2021-22 की आबकारी नीति लागू करने में कथित भ्रष्टाचार को लेकर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को करीब आठ घंटे की पूछताछ के बाद रविवार शाम गिरफ्तार कर लिया।

मुझे खुद अंदाज नहीं था मेरी बात पाकिस्तानियों को इस कदर चुभ जाएगी : जावेद अख्तर

नई दिल्ली। प्रख्यात गीतकार जावेद अख्तर आसान से शब्दों और छोटे-छोटे जुमलों में बहुत बड़ी बात कहने के लिए जाने जाते हैं। उनका विस्तृत लेखन किसी परिचय का मोहताज नहीं है। उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान की यात्रा की है। पड़ोसी मुल्क में कही गई उनकी एक बात ने तूफान खड़ा कर दिया है। एक बातचीत में जावेद अख्तर ने स्वीकार किया कि उन्हें खुद अंदाजा नहीं था कि मेरी बात पाकिस्तानी नागरिकों को इतनी चुभ जाएगी। दरअसल जावेद अख्तर 'फैज फैस्टिवल' में शिरकत करने पाकिस्तान में लाहौर गए थे और वहां बातचीत के दौरान उनसे शिकायत की गई कि भारत के कलाकारों को पाकिस्तान में जितना प्यार और अपनापन मिलता है, पाकिस्तान के कलाकारों को भारत में उतना नहीं मिलता। इस पर जावेद अख्तर ने कहा मुंबई पर आतंकी हमला करने वाले लोग अभी भी आपके मुल्क में घूम रहे हैं और अगर इस बात को लेकर आम हिंदुस्तानी के दिल में शिकायत है, तो आपको इसका बुरा नहीं मानना चाहिए। जावेद अख्तर की बात को पाकिस्तानियों ने दिल पर ले लिया और बुरा मान गए। दिलचस्प बात यह रही कि जावेद अख्तर के इस बयान पर वहां मौजूद लोगों ने उस वक्त तो तालियां बजाईं, लेकिन बाद में नाराज हो गए और कुछ लोगों ने यहां तक कह डाला कि जावेद अख्तर को पाकिस्तान का वीजा नहीं दिया जाना चाहिए था।

प्रयागराज मुख्य सचिव उ.प्र. दुर्गाशंकर मिश्र की अध्यक्षता में अधिकारियों को आगामी महाकुंभ के तैयारियों को समय से पहलें पूर्ण करने का निर्देश दिया

सूरत भूमि, संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। महाकुम्भ मेला 2025 को दिव्य एवं भव्य बनाने के दृष्टिगत मुख्य सचिव, दुर्गाशंकर मिश्र की अध्यक्षता में शीर्ष समिति की द्वितीय बैठक आज सर्किट हाउस में सम्पन्न हुई, जिसमें 948 करोड़ की 50 प्रस्तावित परियोजनाओं में से लगभग 896 करोड की लागत की 38 परियोजनाओं को सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है। इनमें उश्प्रश्र सेतु निगम लि0/ लो0नि0वि0 की 1, प्रयागराज विकास प्राधिकरण की 31 तथा बाढ़ कार्य खंड सिंचाई विभाग की 6 परियोजनाएं सम्मिलित हैं मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से संबंधित 12 परियोजनाओं का पुन: परीक्षण पर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं ।

शीर्ष समिति की प्रथम बैठक में स्वीकृत 51 परियोजनाओं में से प्रयागराज में प्रस्तावित रिंग रोड के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की 2 परियोजनाएं जिसमें अंदावा- कनिहार मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग पर प्रस्तावित दो लेने उपरिगामी सेतु का निर्माण एवं यूनाइटेड कॉलेज के समीप इलाहाबाद-मुगलसराय रेल सेक्शन पर प्रस्तावित दो लेन उपरिगामी सेतु के निर्माण को स्थगित कर दिया गया है।

बैठक में मुख्य सचिव ने महाकुम्भ 2025 को अमृतकाल का पहला कुम्भ कहते हुए कम्युनिटी एंगेजमेंट प्रोग्राम के तहत अधिक से अधिक संख्या में जनपद निवासियों को जोडते हुए उनसे शहर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करने की अपील की है। जनपद में यातायात समस्याओं के निराकरण के दृष्टिगत उन्होंने ट्रैफिक प्लान हेतु कन्सलटेंस को हायर कर भविष्य में किन-किन सडकों पर ट्रैफिक समस्याएं अधिक हो सकती हैं इसका आकलन करते हुए कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा है साथ ही सभी विभागों को निर्देशित किया कि समस्त कार्यों का शासनादेश 15 मार्च तक निर्गत कर दिया जाय ताकि समयान्तर्गत बजट अवमुक्त किया जा सके

सडकों के चौडीकरण एवं विकास पर चर्चा करते हुए मुख्य सचिव ने समय बचाने के दृष्टिगत रोड बनाते समय ही रोड साइड प्लानटेशन तथा खाली जगहों पर पार्किंग विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर आयुक्त को नगर निगम द्वारा बसवार में संचालित कान्ट्रक्शन एवं डेमोलेशन वेस्ट प्लांट से बनाई जा रही टाइल्स का उपयोग इन सभी सडकों के विकास में करने को भी कहा है।

इसी क्रम में मण्डलायुक्त विजय विश्वाश पंत ने शहर में स्वच्छता एवं यातायात समस्याओं के निराकरण हेतु इन्दौर सिटी से प्रेरणा लेते हुए महाकुम्भ 2025 से पूर्व प्रयागराज को और स्वच्छ बनाने का आश्वासन दिया मेलाधिकारी, कुम्भमेला विजय किरन आनन्द ने सभी परियोजनाओं के बारे में मुख्य सचिव को अवगत कराया साथ ही सभी कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ करने हेतु संबंधित विभागों में अतिरिक्त अधिकारियों की शीघ्र तैनाती का अनुरोध किया मुख्य सचिव ने सभी संबंधित प्रमुख सचिव को आवश्यक निर्देश दिए तथा मेलाधिकारी को महाकुम्भ के कार्यों के कियान्वयन हेतु 02 वर्ष के लिए आवश्यकतानुसार एक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का गठन करने को भी कहा जिससे कि मैनपावर की कभी न हो सके।

सियासी मजबूरी, ठाकरे परिवार को लेकर नरम पड़े भाजपा के सुर

- फडणवीस ने कहा राजनीतिक विरोधियों को दुश्मन नहीं समझते

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राजनीतिक विरोधियों को दुश्मन नहीं समझते। उन्होंने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे और सरकार में मंत्री रहे आदित्य को लेकर भी बात कही। खास बात है कि बीते साल नवंबर में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुई बगावत के तार फडणवीस ने भाजपा के बदला से जोड़े थे। हालिया दिनों में ठाकरे परिवार को लेकर भाजपा के सुर नरम पड़ते दिख रहे हैं। जानकार इसके तार सियासी हालात से जोड़ रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग के शिवसेना नाम और चिह्न (तीर-कमान) को शिंदे समूह को सौंपने के फैसले के बाद उद्धव लगातार भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने कहा था कि पिता की विरासत चोरी कर ली गई। साथ ही उन्होंने बदला लेने की कसम भी खाई। कहा जा रहा है कि दिवंगत बाल ठाकरे की गठित पार्टी को ठाकरे परिवार से ही जोड़कर देखा जाता है। इसके बाद कई वफादार आयोग की कार्रवाई को भाजपा प्रभावित मान रहे हैं।

माना जा रहा है कि भाजपा जानती है कि अगर उद्धव लोगों के बीच धोखे की बात स्थापित करने में सफल हो गए, तब हालात बदल सकते हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, पार्टी के नाम और चिह्न की जंग उद्धव सेना और शिंदे गुट के बीच थी, लेकिन उद्धव के पक्ष में जनता की भावना भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचाएगी। हमें इस साल होने वाले बीएमसी चुनाव और 2024 लोकसभा चुनाव से पहले सावधानी से रोडमैप बनाना होगा।

साथ ही अन्य नेताओं का मानना है कि पार्टी का मकसद 2019 को लेकर उद्धव को सबक सिखाना था। उस दौरान उद्धव एनडीए छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ चले गए थे। अब भाजपा के कुछ नेता मानते हैं कि अब जब सब ठीक है, तब आगे बढ़ना चाहिए।

राष्ट्रीय हित में है अग्निपथ योजना, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की सभी 23 याचिकाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सरकार की सैन्य भर्ती योजना अग्निपथ की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखते हुए कहा कि उसे इस योजना में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखता है। अदालत ने कहा, ÷अग्निपथ योजना राष्ट्रीय हित में और यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई थी कि सशस्त्र बल बेहतर सुसज्जित हैं। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद की खंडपीठ ने फैसला सुनाया।

योजना को चुनौती देने वाली कम से कम 23 याचिकाएं दायर की गई थीं और सभी याचिकाओं को अदालत ने खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल केंद्र की अग्निपथ योजना की शुरुआत के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों की जांच की मांग करने वाले एक वकील द्वारा दायर एक नई याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। सरकार द्वारा अग्निपथ योजना को इसके छोटे कार्यकाल और कम लाभ प्रदान करने के कारण शुरू करने के बाद देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इस योजना में युवाओं को चार साल की अवधि के लिए अस्थायी रूप से रक्षा बलों में शामिल करने का प्रस्ताव है और उन्हें अग्निवीरों के रूप में जाना जाएगा।

चार साल के बाद, चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत सशस्त्र बलों की नियमित सेवा में समाहित किए जाएंगे, जबकि शेष सेवानिवृत्त हो जाएंगे। बाद में, सरकार ने 2022 में भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष कर दिया। योजना को चुनौती देने और भर्ती प्रक्रियाओं को रोकने के लिए देश भर के उच्च न्यायालयों में कई याचिकाएँ दायर की गईं। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में इन सभी मामलों को दिल्ली एचसी को स्थानांतरित कर दिया। पिछले साल 15 दिसंबर को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र की अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली और रक्षा सेवाओं में पिछली भर्ती योजना के अनुसार बहाली और नामांकन की मांग करने वाली याचिकाओं के एक बैच पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

खुलकर सामने आया अमृतपाल सिंह का खालिस्तानी प्रेम, खुद को भारतीय नहीं मानता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अजनाला थाने पर हुए हमले के बाद खालिस्तान समर्थक और 'वारिस पंजाब दे' प्रमुख अमृतपाल सिंह ने एक बड़ा बयान देकर सभी को चौंका दिया है। अमृतपाल का कहना है कि वह अपने आपको भारतीय नहीं मानता है। अमृतपाल ने कहा कि भारतीय पासपोर्ट एक दस्तावेज है और इससे वह भारतीय नहीं बनाता। इस पूरे घटनाक्रम के बाद केंद्रीय एजेंसियां इस खालिस्तान समर्थक की पृष्ठभूमि जांचने में जुटी गई हैं।

बता दें कि अमृतपाल दो साल पहले तक दुबई में था और वहां एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के लिए काम करता था। वह 2021 में भारत लौटा और 'वारिस पंजाब दे' के संस्थापक दीप सिद्धू की सड़क हादसे में मौत के बाद इस संगठन का प्रमुख बना।

अमृतपाल ने कहा कि लवप्रीत की गिरफ्तारी और बाद में पंजाब पुलिस द्वारा उसकी रिहाई 'भविष्य की दिशा बदल देगी। उसने कहा कि अगर पुलिस सतर्क रहती, तब घटना टल सकती थी। अमृतपाल ने कहा कि पुलिस ने गलत खुफिया रिपोर्ट के आधार पर जल्दबाजी में कार्रवाई की और अधिकारियों ने मेरे बारे में गलत सूचना दी कि मेरे पास समर्थन नहीं है। अमृतपाल ने कहा कि आतंकवाद कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे मैं शुरू करने में सक्षम हूं। कोई भी उग्रवाद शुरू या समाप्त नहीं कर सकता है।

उधर अजनाला घटनाक्रम के बाद केंद्र सरकार 'वेट एंड वॉच' की नीति अपना रही है। केंद्र से जुड़े आधिकारिक सूत्र के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है, 'पंजाब का इतिहास सबकों से भरा पड़ा है। हम इंतजार कर रहे हैं और देख रहे हैं। कानून और व्यवस्था बनाए रखना अनिवार्य रूप से राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। सूत्रों ने बताया कि अमृतपाल को यूरोप के छोटे हिस्सों के

अलावा ब्रिटेन और कनाडा में स्थित कट्टरपंथी तत्वों से वैचारिक समर्थन मिल रहा है। एजेंसियां फंडिंग के रूट का पता लगा कर रही हैं। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि उसे कौन और किस तरह से फंडिंग कर रहा है।

भाजपा का तंज- सिसोदिया शराब घोटाले में शामिल दुनिया के इकलौते शिक्षा मंत्री होंगे

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि दिल्ली के डेप्युटी सीएम मनीष सिसोदिया या आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं ने शराब नीति में हुए भ्रष्टाचार के सिलसिले में कभी सवालों का जवाब नहीं दिया। बीजेपी ने यह भी कहा कि उसका मानना है कि गिरफ्तार नेता के खिलाफ इस मामले में दम है। सिसोदिया को सीबीआई ने रविवार को 8 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों के मुताबिक पूछताछ के दौरान उनके जवाब संतोषजनक नहीं थे। बीजेपी प्रवक्ता संबित पार्टी ने पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तंज कसते हुए कहा कि सिसोदिया दुनिया के एकमात्र शिक्षा मंत्री हैं, जो शराब घोटाले में शामिल होंगे और यह पूरा प्रकरण चौंकाने वाला है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से गिरफ्तार किए गए दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत खारिज कर दी गई है, क्योंकि उनके निर्दोष होने के आप के दावे के बावजूद उनके खिलाफ मामले में दम है।

लोकतंत्र बचाने लोगों को सरकार की तानाशाही के खिलाफ लड़ना होगा: खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर 'अलोकतांत्रिक'होने का आरोप लगाया और कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए लोगों को सरकार की तानाशाही के खिलाफ मजबूती से लड़ना होगा। वह कांग्रेस के तीन दिवसीय 85वें पूर्ण अधिवेशन के समापन पर जोरा गांव में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस रैली को छत्तीसगढ़ में इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सत्ताधारी कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।रैली में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक एकत्र हुए थे।

खरगे ने कहा, ''केंद्र में मौजूदा सरकार लोकतांत्रिक नहीं है। यह सरकार जनता के लिए काम नहीं करती है। यह सरकार केवल अपनी तानाशाही चलाती है।'' उन्होंने दावा किया, ''हम वहां (संसद में) गरीबों, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और महिलाओं से संबंधित मुद्दों को उठाने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं। मेरा भाषण और राहुल जी का भाषण हटा दिया गया। हमने किसी अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, हमने सिर्फ अडाणी के बारे में सवाल पूछा था।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''2004 से पहले अडाणी की संपत्ति तीन हजार करोड़ रुपये थी जो 2014 में 50 हजार करोड़ रुपये हो गई। वर्ष 2021 से 2023 तक यह 13 गुना बढ़ी। आप बताएं कि यह कौन सा जादू है। अडाणी को आपने जो मंत्र दिया है, कृपया हमें भी बताएं।'' उन्होंने कहा, ''कैसे एक रुपये ढाई साल में 13 या एक लाख से 13 लाख रुपये हो जाते हैं।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, ''उन्होंने एक व्यक्ति के लिए पूरे देश को गिरवी रख दिया। आपका दोस्त कौन है। आपका दोस्त जिसके विमान से आप प्रधानमंत्री बनने के बाद गुजरात से दिल्ली गए थे।'' उन्होंने कहा, ''आपने (मोदी) कहा था कि आप भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने भले ही छोटे भ्रष्टाचार को रोक दिया हो, लेकिन बड़े भ्रष्टाचार को होने दिया।''

खरगे ने कहा कि हम ऐसे देश में रह रहे हैं जहां बोलने और लिखने की आजादी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर कोई सच बोलता है तो उसे जेल भेज दिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 'तानाशाही' कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि लोकतंत्र तथा संविधान को बचाने के लिए लोगों को इसके खिलाफ कड़ा संघर्ष करना होगा।

उन्होंने कहा कि यदि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा नहीं की गई तो इसका सबसे बुरा परिणाम अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को भुगतना पड़ेगा। खरगे ने कहा, ''मोदी जी पूछते हैं कि कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया। उन्हें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, छत्तीसगढ़ का भिलाई इस्पात कारखाना, भाखड़ा नंगल और हीराकुंड बांध दिखाया जाना चाहिए। आपने (भाजपा) कितने सार्वजनिक क्षेत्र स्थापित किए? मुझे एक उदाहरण दीजिए। मोदी सरकार ने इसके बजाय सार्वजनिक उपक्रमों को बेच दिया।''

उन्होंने कहा, ''राहुल जी ने चीनी घुसपैठ को लेकर आगाह किया था। लेकिन हमें विदेशी एजेंट कहा गया। सच तो यह है कि आजादी के लिए हमने कुर्बानी दी और जेल गए। आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ)के कितने लोग जेल गए या उन्हें मृत्युदंड दिया गया। और वे हमें बताते हैं कि वे देशभक्त हैं।'' खरगे ने कहा, ''56 इंच के सीने का क्या करेंगे। लोगों को खाना और रोजगार दो। अगर यह (सीना) एक इंच भी कम हो जाए तो कोई

दिक्कत नहीं होगी। दुबले होने के कारण कोई नहीं मरता है।'' छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेताओं के परिसरों पर प्रवर्तन विभाग (ईडी) द्वारा हाल ही में की गई छापेमारी का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा, ''जब रायपुर में पूर्ण अधिवेशन की तैयारी चल रही थी तब छापेमारी की जा रही थी। आप डराने की कोशिश कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की जनता नहीं डरेगी।''

स्कूल जाने से रोकने के लिए हैवानियत, इस देश में 100 से अधिक लड़कियों को दे दिया गया जहर..

तेहरान। ईरान में लड़कियों की पढ़ाई और पहनावे को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हिजाब को लेकर देशभर में प्रदर्शन से पूरी दुनिया वाकिफ हैं, लेकिन अब लड़कियों को स्कूल जाने से रोकने की कोशिश भी की जा रही है। ईरान का धार्मिक शहर माने जाने वाले कॉम में पिछले कुछ महीनों से सैकड़ों लड़कियों को जहर देने का हैरतअंगेज मामला सामने आया है। ईरानी राज्य मीडिया ने बताया कि ईरान के एक मंत्री ने चौंकाने वाला खुलासा किया जब उन्होंने कहा कि देश के पवित्र शहर क़ोम में कुछ लोग लड़कियों की शिक्षा पर रोक लगाने के लिए स्कूली लड़कियों को ज़हर दे रहे हैं। उप स्वास्थ्य मंत्री यूनुस पनाही ने स्पष्ट रूप से विषाक्तता की पुष्टि की है। हालांकि, इस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। आईआरएनए राज्य समाचार एजेंसी ने पनाही के हवाले से कहा कि क्यूम स्कूलों में कई छात्रों को जहर दिए जाने के बाद, यह पाया गया कि कुछ लोग चाहते थे कि सभी स्कूलों, खासकर लड़कियों के स्कूलों को बंद कर दिया जाए। रिपोर्टों के अनुसार, नवंबर के अंत से तेहरान के दक्षिण में कॉम में स्कूली छात्राओं के बीच श्वसन विषाक्तता के सैकड़ों मामलों का पता चला था। उनमें से कुछ को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने की भी जरूरत थी।

कंगाल पाक के ब्यूरोक्रेट की बेटी को शादी में मिले 72 करोड़

-रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने किया दावा

इस्लामाबाद। कंगाल पाकिस्तान के एक ब्यूरोक्रेट के बेटी की शादी में करोड़ों रुपए की सलामी देने का खुलासा हुआ है। यह दावा किया है पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने। रक्षामंत्री ने कहा कि एक पाकिस्तानी ब्यूरोक्रेट के बेटी की शादी में 72 करोड़ पाकिस्तानी रुपए की सलामी दी गई है। मंत्री ने यह भी दावा किया कि इसी ब्यूरोक्रेट की पहली बेटी की शादी में 1.2 अरब रुपए की सलामी दी गई थी। इस ब्यूरोक्रेट की पाकिस्तान में चर्चा है, लेकिन बड़े से बड़े मंत्री और नेता नाम नहीं ले रहे हैं। ख्वाजा आसिफ ने भी सिर्फ इतना ही कहा कि यह ग्रेड 21 का ब्यूरोक्रेट है। ख्वाजा आसिफ ने कहा, चौधरी परवेज इलाही ने मुझे व्यक्तिगत तौर पर बताया कि वह एक शादी में गए थे। यहां सलामी इकट्ठा करने वाले शख्स ने उन्हें बताया कि अब तक 72 करोड़ रुपए इकट्ठा किए जा चुके हैं और लगातार पैसे गिर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने आगे दावा किया कि उसी नौकरशाह की एक और बेटी की शादी में सलामी के रूप में 1.2 अरब रुपए इकट्ठा किए गए थे। उन्होंने कहा कि इसमें आभूषण और गाड़ियां शामिल नहीं हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि वह एक ग्रेड 21 या 22 का अधिकारी है, लेकिन इससे कभी किसी ने सवाल खड़े नहीं किए। किसी ने इससे नहीं पूछा कि आखिर रुपया कहां से आ रहा है। सबसे खास बात रही कि पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने ये बातें किसी रैली में नहीं बल्कि देश की संसद में कही थी। वह पाकिस्तान में अमीर और गरीब के बीच बढ़ती हुई खाई का उदाहरण दे रहे थे। मंत्री का बयान एक ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान अपने इतिहास के का सबसे खराब आर्थिक संकट देख रहा है। पाकिस्तान इस समय अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज की मांग कर रहा है। आईएमएफ की ओर से कई शर्त लगाई गई हैं, जिन्हें देखते हुए पाकिस्तान ने बिजली और पेट्रोल की सब्सिडी खत्म कर दी हैं। पाकिस्तान की लगभग 22 फीसदी आबादी ऐसी है, जो गरीबी रेखा के नीचे रहती है। पाकिस्तान में अमीरों के शौक इतने ज्यादा है कि वह शेरों को पाल रहे हैं। बता दें कि पाकिस्तान में सलामी रिश्तेदारों और मेहमानों की ओर से दूल्हा-दुल्हन को पैसा देने की परंपरा को कहा जाता है।

राजनैतिक संकट के बीच, प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने कतर यात्रा रदद की

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड की कतर यात्रा रद्द कर दी गई है। नेपाली अधिकारियों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। प्रचंड की सरकार पर मंडरा रहे खतरे और आगामी राष्ट्रपति चुनाव के बीच यह फैसला किया गया है। प्रचंड सबसे कम विकसित देशों के पांचवें सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए तीन मार्च को कतर रवाना होने वाले थे। कार्यभार संभालने के बाद यह उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा होती। उन्होंने पिछले साल 26 दिसंबर को प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला था। प्रचंड के मीडिया समन्वयक सूर्य किरण शर्मा ने कहा, ''पीएम का सबसे कम विकसित देशों (एलडीसी) के 5वें सम्मेलन में भाग लेने कतर जाने वाले थे, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण राजनीतिक कार्यों के चलते यात्रा को रद्द किया गया है। इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने कहा था कि प्रचंड के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल सबसे कम विकसित देशों के पांचवें सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कतर जाएगा। प्रचंड के एक सहयोगी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने नौ मार्च को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर देश नहीं छोड़ने का फैसला किया है। विदेश मंत्री बिमला राय पौडयाल को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के एक उच्च-स्तरीय सत्र में हिस्सा लेने के लिए जिनेवा रवाना होने से कुछ घंटे पहले, प्रधानमंत्री प्रचंड ने उन्हें यात्रा रद्द करने को कहा।

चीन में खदान की छत गिरने से पांच मजूदरों की मौत

बीजिंग। दक्षिण-पश्चिमी चीन में एक खदान की छत गिरने से करीब पांच मजदूरों की मौत हुई हैं। आपातकालीन प्रबंधन के प्रांतीय विभाग ने बताया कि हादसा रविवार सुबह सिचुआन प्रांत की एक खदान में हुआ। उस समय 25 मजदूर वहां मौजूद थे, जिसमें से पांच की मौत हुई, जबकि तीन अन्य बुरी तरह घायल हो गए। बाकी लोगों को सुरक्षित बचाया गया। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने पूरी क्षमता के साथ तलाश एवं बचाव प्रयास को अंजाम देने का निर्देश दिया है। इसके पहले उत्तरी चीन में पिछले सप्ताह एक खदान धंस गई थी। हादसे के बाद से 47 खनिक लापता हैं, जिनके जिंदा मिलने की उम्मीद कम होती जा रही है।

कई टेक कंपनियों ने इजरायल छोड़ा

इजराइल। अनुकूल माहौल नहीं होने के कारण, इजराइल से अब कई टेक कंपनियों ने इजराइल छोड़ना शुरू कर दिया है। 8000 करोड़ रुपए मूल्य की पपाया ग्रुप सहित कुछ कंपनियां कह चुके हैं, कि वह इजराइल छोड़ कर जा रही हैं। कुछ कंपनियों के पहले से ही अमेरिका में ऑफिस हैं। वहां से कारोबार समेट कर वह अमेरिका के कारोबार कर रहे हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की दक्षिणपंथी सरकार द्वारा देश की न्याय व्यवस्था में किए जा रहे बदलाव के कारण इजरायल की टेक कंपनियों का मोह भंग हुआ है। कंपनियों का मानना है कि इससे 75 साल पुरानी आजादी खत्म हो जाएगी। देश में सरकार के इस फैसले के खिलाफ उग्र आंदोलन चल रहे हैं। इजराइल के लोगों को वर्तमान सरकार पर भरोसा नहीं हो रहा है। न्यायिक बदलाव से सभी कारोबार प्रभावित होंगे। टेक सेक्टर की प्रतिक्रिया सबसे ज्यादा और अति महत्वपूर्ण है। इजराइल का 54 फ़ीसदी निर्यात व्यापार हाईटेक प्रोडक्ट और सेवाओं के जरिए होता है। इजराइल में 90 यूनिकॉर्न कंपनियां है। इन कंपनियों के पलायन करने से इजरायल की अर्थव्यवस्था को भारी आघात लगेगा।

बेलारूस के एयरबेस पर बर्बाद हुआ रूस का ए-50 निगरानी विमान, पुतिन को लगा बड़ा झटका

मिंस्क । रूस की आसमानी आंख कहे जाने वाला ए-50 निगरानी विमान बेलारूस के एक एयरबेस पर बर्बाद हो गया है। यह खबर यूक्रेन युद्ध में जेलेंस्की की सेना के लिए राहतभरी खबर है। बेलारूस के विरोधी नेताओं ने दावा किया है कि देश की राजधानी मिंस्क के एक एयरबेस पर ड्रोन हमले में रूस का यह विमान बर्बाद हो गया। रूस इस निगरानी विमान के जरिए पूरे यूक्रेन युद्ध में खुफिया जानकारी इकट्ठा करता रहा है। माना जा रहा है कि ए-50 विमान का बर्बाद होना रूस की वायुसेना के लिए बहुत बड़ा झटका है। वहीं अब बेलारूस के भी युद्ध में कूदने को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। पोलैंड के एक न्यूज चैनल के मुताबिक बेलारूस के तानाशाह लुकाशेंको के विरोधी अलेक्जेंडर अजरोव ने कहा हमला करने वाले ड्रोन थे। इस अभियान को अंजाम देने वाले लोग बेलारूस के थे। वे अब सुरक्षित हैं और देश के बाहर हैं। बेलारूस ने विरोधी बाइपोल संगठन को आतंकी संगठन घोषित कर रखा है। बेलारूस की विपक्षी नेता सवितलाना की करीबी सलाहकार फनक विआकोर्का ने कहा कि विशेष अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया है। सवितलाना ने कहा कि साल 2022 की शुरुआत के बाद यह सबसे सफल बदलाव है। अभी तक इस घटना की स्वतंत्र तरीके से पुष्टि नहीं हो सकी है। बताया जाता है कि इस हमले में विमान के आगे और मध्य के हिस्से को काफी नुकसान पहुंचा है।

क्रोएशिया में भारी बर्फबारी के बाद हाइवे पर बर्फ की एक सफेद चादर सी बिछ गयी।

रुस का आरोप, जी20 का इस्तेमाल रुस के खिलाफ हो रहा

मास्को । रूस ने आरोप लगाया कि पश्चिम देशों द्वारा एकजुट होकर जी 20 की गतिविधियों को अस्थिर किया जा रहा है। इसका इस्तेमाल रूस के खिलाफ हो रहा है। रूस ने आरोप लगाया कि बेंगलुरु में जी20 के वित्त मंत्रियों की बैठक बिना किसी साझा सरकारी सूचना के खत्म हुई, क्योंकि यूक्रेन को लेकर पश्चिमी देशों का सामूहिक रूप से रूस के प्रति टकराव वाला रुख है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि जी 20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक बिना किसी संयुक्त बयान जारी किए ही खत्म हो गई। रूस और चीन संयुक्त बयान पर सहमत नहीं हुए। हालांकि, बैठक के अंत में भारत ने जी-20 के अध्यक्ष के रूप में सारांश और परिणाम दस्तावेज जारी किया था। हमारे विरोधी (खास तौर पर अमेरिका, यूरोपीय संघ और जी-7) रूस को अलग-थलग करने और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा व वैश्विक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र की समस्याओं के मॉस्को पर दोष मढ़ने के अपने पागल प्रयास को जारी रखे हुए हैं। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की अध्यक्षता की रचनात्मक भूमिका का जिक्र कर कहा कि उसने सभी देशों के हितों और रुख पर निष्पक्ष विचार करने का प्रयास किया। इसमें कहा गया है कि इस संदर्भ में इसने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया, जो वित्त और संबंधित क्षेत्रों में आधुनिक चुनौतियों का जवाब देने के लिए एक अच्छी नींव बनाता है, जिसमें आर्थिक विकास और सतत विकास लक्ष्यों का कार्यान्वयन करने के लिए समर्थन हासिल है।

ब्रेन-ईटिंग अमीबा के कारण हुई मौत

-अमेरिका के फ्लोरिडा में मचा हड़कंप

फ्लोरिडा(एजेंसी)। अमेरिका में पानी में मौजूद दिमाग खाने वाले अमीबा के कारण एक शख्स की बाद में मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस शख्स ने नाक साफ करने के लिए बिना उबाले ही नल के पानी का इस्तेमाल कर लिया । बाद में ब्रेन-ईटिंग अमीबा के कारण हुए दुर्लभ संक्रमण से उसकी मौत हो गई। फ्लोरिडा स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक ये हादसा शार्लोट काउंटी में हुआ।

बहरहाल इसके बारे में ज्यादा जानकारी तुरंत जारी नहीं की गई थी। मरीज की मौत हुई थी। जानकारी के मुताबिक अमेरिका में दुर्लभ संक्रमण का शिकार हुए इस रोगी की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। ये माना जा रहा है कि अपनी नाक को रोजाना साफ करने के लिए नल के पानी का इस्तेमाल करने के बाद उसे नेग्लेरिया फाउलेरी नामक अमीबा का संक्रमण हुआ था। फ्लोरिडा का स्वास्थ्य विभाग अब यह जांच कर रहा है कि यह संक्रमण कैसे हुआ। एजेंसी स्थानीय सार्वजनिक जल सुविधाओं के साथ मिलकर इसके किसी भी संभावित कारण की पहचान करके की कोशिश कर रही है। जिससे जरूरत के मुताबिक बदलाव किए जा सकें।

नेग्लेरिया फाउलेरी अमीबा लोगों को तब संक्रमित कर सकता है, जब पानी में मौजूद एकल-कोशिका वाला ये जीव नाक के जरिये शरीर में घुस जाता है। आमतौर पर तालाबों, झीलों या नदियों में तैरते या गोता लगाते समय ऐसा होता है। जबकि दुर्लभ मामलों में यह अमीबा नल के पानी से जुड़े पाइपों में भी पाया जा सकता है। जब नेग्लेरिया फाउलेरी अमीबा से दूषित पानी नाक में जाता है, तो ये अमीबा उसके जरिये दिमाग में पहुंच सकता है। यह रोग प्राथमिक अमेबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस-पीएएम का कारण बनता है। जो दिमाग के ऊतकों को नष्ट कर देता है और आमतौर पर रोगी की मौत हो जाती है।

नेग्लेरिया फाउलेरी के लक्षण आमतौर पर संक्रमण के 1 से 12 दिनों के बीच होते हैं। इसमें बुखार, मतली, सिरदर्द और ऊल्टी शामिल हो सकते हैं। ये लक्षण बाद में गर्दन अकड़ने, भ्रम, दौरे और दूसरी न्यूरोलॉजिकल समस्याओं में बदल सकते हैं। दिमाग खाने वाले अमीबा का संक्रमण लगभग हमेशा घातक होता है। 1960 के दशक की शुरुआत से अब तक 157 रोगियों में से 153 की मौत हो चुकी है। इसके ज्यादातर मामले दक्षिणी अमेरिकी राज्यों, विशेषकर टेक्सास (39) और फ्लोरिडा (38) में पाए गए हैं।

रुस का हथियार देने की तैयारी में चीन, अमेरिका गुस्से से लाल

वाशिंगटन (एजेंसी) अमेरिकी आसमान में चीनी जासूसी गुब्बारे मिलने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है। चीन अब रूस को मदद देकर यूक्रेन में और तबाही मचाना चाहता है। इस पर अमेरिका भड़क उठा है, इतना ही नहीं अमेरिका ने यूक्रेन का समर्थन करते हुए चीन को धमकी दी है। माना जा रहा है कि चीन रूस को यूक्रेन से युद्ध के लिए घातक हथियार प्रदान करने वाला है, इसपर अमेरिका ने कहा है कि यदि चीन ऐसा करता है, तब इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। बीजिंग संभावित रूप से रूस को ड्रोन सहित घातक उपकरण प्रदान करने पर विचार कर रहा है। विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष माइकल मैककॉल ने कहा कि चीनी नेता शी जिनपिंग रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के लिए अगले सप्ताह मास्को जाने की तैयारी कर रहे हैं। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने बताया कि चीन को अपने फैसले खुद लेना होगा, अगर वह रूस को सैन्य सहायता देने का निर्णय लेता है, तब उस भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

वहीं यूक्रेन को युद्ध में पश्चिमी देशों से सहायता मिल रही है। इस पर रूस के पूर्व राष्ट्रपति और पुतिन के सहयोगी दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि कीव को पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति से वैश्विक परमाणु तबाही का खतरा है। नाटो और पश्चिमी देश का इसपर कहना हैं कि कीव को हथियार और अन्य सहायता प्रदान करने का एकमात्र उद्देश्य उन्हें हमले से बचाने का है। पुतिन ने एक इंटरव्यू में बताया कि पश्चिमी देश पूर्व सोवियत संघ और उसके मूलभूत भाग को बिखेरना चाहते हैं। पुतिन ने यूक्रेन पर आक्रमण कर इस विशेष सैन्य अभियान बताया था। उन्होंने कहा था कि इसका उद्देश्य रूसियों की रक्षा करना, कीव की नाटो सदस्यता को रोकना और इसे रूस के प्रभाव क्षेत्र में रखना है। यूक्रेन और पश्चिम का कहना है कि यह एक लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार और एक यहूदी राष्ट्रपति के साथ एक देश के खिलाफ आक्रामकता का एक अवैध कार्य है।

अचानक यूक्रेन पहुंचे सऊदी अरब के विदेश मंत्री, 400 मिलियन की सहायता डील पर किए हस्ताक्षर

पेशावर (एजेंसी)। सऊदी विदेश मंत्री द्वारा कीव का औचक दौरा करने के बाद युद्धग्रस्त देश को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए सऊदी अरब ने यूक्रेन के साथ 400 मिलियन

के समझौते पर हस्ताक्षर किए। सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने सऊदी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कीव में राष्ट्रपति निवास पर उनकी अगवानी की। फैसल ने अपने यूक्रेनी समकक्ष दिमित्रो कुलेबा और यूक्रेनी राष्ट्रपति के कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक से भी मुलाकात की, अरब न्यूज ने बताया। सऊदी मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और सामान्य हित के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास की समीक्षा करने के अवसरों पर भी चर्चा की। प्रिंस फैसल बिन फरहान 30 वर्षों में यूक्रेन का दौरा करने वाले सर्वोच्च रैंकिंग वाले सऊदी अधिकारी थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि हस्ताक्षरित समझौता यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए 100 मिलियन का संयुक्त सहयोग कार्यक्रम है। यूक्रेन को सहायता की घोषणा पहली बार सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पिछले साल अक्टूबर में यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ एक फोन कॉल के बाद की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्राउन प्रिंस ने संघर्ष को हल करने के लिए मध्यस्थता के प्रयासों को जारी रखने के लिए डी-एस्केलेशन प्रयासों और तत्परता का समर्थन करने की देश की इच्छा व्यक्त की थी। अमेरिका ने प्रिंस फरहान की यात्रा का स्वागत करते हुए इसे एक 'महत्वपूर्ण कदम' बताया। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब सऊदी अरब पर अमेरिका ने अपनी तेल नीति के माध्यम से रूस का पक्ष लेने का आरोप लगाया था। सऊदी अरब ने युद्ध में तटस्थ रुख बनाए रखा है। हालाँकि, सऊदी ने संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसमें पिछले साल यूक्रेनी क्षेत्र को जोड़ने के रूसी कदमों की निंदा की गई थी। वह ओपेक+, पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और रूस के नेतृत्व वाले सहयोगियों के बीच सहयोग पर चर्चा करने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ नियमित संपर्क में भी रहे हैं।

ये भारतवंशी अगर अमेरिका की राष्ट्रपति बनीं तो पाकिस्तान का हो जाएगा हुक्का पानी बंद, चीन को भी दे डाली सीधी चेतावनी

वाशिंगटन (एजेंसी)। 2024 में राष्ट्रपति पद की रेस में शामिल निक्की हेली ने चीन और पाकिस्तान को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया। उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए चुने जाने पर पाकिस्तान को विदेशी सहायता समाप्त करने की कसम खाई है। पाकिस्तान को दर्जनों आतंकवादी संगठनों का घर बताते हुए निक्की ने कहा कि एक पैसा भी उन देशों को नहीं भेजा जाएगा जो अमेरिका से नफरत करते हैं। उसने पाकिस्तान, चीन, इराक और अन्य देशों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक मजबूत अमेरिका बुरे लोगों को भुगतान नहीं करता है। दक्षिण कैरोलिना के 51 वर्षीय दो-टर्म गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रेस में शामिल हैं।

निक्की ने कहा कि अगर मैं राष्ट्रपति बनती हूं तो पाकिस्तान और चीन समेत तमाम दुश्मन देशों को

मिलने वाली फंडिंग बंद कर दूंगी। अमेरिकी अखबार 'न्यू यॉर्क टाइम्स' के चाय के लेख में निकी ने लिखा कि अगर मैं राष्ट्रपति बनती हूं तो हम पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को कतई फंडिंग नहीं करेंगे। एक मजबूत अमेरिका ऐसे लोगों की मदद नहीं करेगा जो बुरे हैं और उससे नफरत करते हैं। हम अपने टैक्सपेयर्स का पैसा इन देशों पर बर्बाद नहीं करेंगे। वह आगे लिखती हैं कि डॉनल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति रहते हुए पाकिस्तान को दो अरब डॉलर की सैनिक मदद पर रोक लगा दी थी। संयुक्त राष्ट्र में बतौर दूत मैंने उस फैसले का स्वागत किया था, क्योंकि पाकिस्तान उन आतंकवादियों का समर्थन करता है जो अमेरिकी सैनिकों को मारते हैं।

बाइडेन सरकार ने इस रोक को हटा दिया। पाकिस्तान में 12 से ज्यादा आतंकी संगठन मौजूद है। अगर में राष्ट्रपति बनी तो चीन की फंडिंग बंद कर दी जाएगी। चीन में हम एनवायरनमेंट से जुड़े प्रोग्राम के लिए काफी बड़ी रकम देते हैं। जबकि ये सब जानते हैं कि चीन से अमेरिका को कितना खतरा है। हम बेलारूस को पैसा देते हैं, जो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन का सबसे करीबी सहयोगी है। हम कम्युनिस्ट क्यूबा को भी पैसा देते हैं, जबकि अमेरिकी सरकार ने ही उसे आतंकवाद का स्पॉन्सर कहा था।

पाकिस्तान में मेडिकल इमरजेंसी, अस्पतालों में इन्जेक्शन और जरूरी दवाएं खत्म

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में जारी अर्थव्यवस्था संकट की आंच अब उसके 'स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र' तक पहुंच चुकी हैं। पाकिस्तान में जरूरी दवाओं के लिए अब आम जनता को संघर्ष करना पड़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार खत्म हो चुका है, जिसकी वजह से जरूरी दवाओं या दवा बनाने के लिए जरूरी उत्पादों का आयात नहीं हो पा रहा है। अस्पताल में सर्जरी नहीं हो पा रही है और यहां ऑपरेशन थिएटर (ओटी) में सिर्फ दो हफ्ते की दवाएं और जरूरी सामान ही बचे हैं। दवा बनाने के लिए जरूरी सामग्री की कमी की वजह से दवा निर्माता कम्पनियों ने दवाओं का उत्पादन घटा दिया है। इसके वजह से हॉस्पिटल में मरीज परेशान हैं। बताया जाता है कि ऑपरेशन थिएटर में बेहोशी की दवा का सिर्फ दो हफ्ते का स्टॉक बचा है। दवाईयों की कमी की मार न सिर्फ मरीजों पर भारी पड़ेगी बल्कि बहुत से लोगों की रोजगार भी छीनेगी। दवा निर्माताओं ने अर्थव्यवस्था को जिम्मेदार बताते हुए कमर्शियल बैंकों पर आरोप लगाया है कि वे दवा के आयात के लिए क्रेडिट जारी नहीं कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की दवा उत्पाद लगभग 95 फीसदी आयात पर निर्भर हैं। पाकिस्तान अपनी जरूरत की अधिकांश दवाओं का आयात चीन और भारत से करता है। बैंकों द्वारा क्रेडिट जारी नहीं किया जाना, पाकिस्तान की मुद्रा की अवमूल्यन और विदेशी मुद्रा भंडार ने पाकिस्तानी दवा उत्पादकों को उत्पादन में कमी करने पर मजबूर कर दिया है। एक दवा निर्माता कंपनी ने बताया कि विदेश से इम्पोर्ट की गई दवा कराची पोर्ट पर पड़ी हुई है। हम उसे इसलिए नहीं ला सकते है क्यूंकि बैंकिंग सिस्टम में डॉलर की कमी है, यातायात महंगा हो चुका है और लगातार पाकिस्तानी रुपए का अवमूलयन अंतराष्ट्रीय बाजार में हो रहा है। पाकिस्तान के पंजाब क्षेत्र में सर्वे के बाद पता चला कि यहां जरूरी दवाओं की कमी अधिकांश ग्राहकों को प्रभावित कर रही है। इन दवाओं में पैनाडोल, इंसुलिन, ब्रुफेन, डिस्प्रिन, कैलपोल, टेग्रल, निमेसुलाइड, हेपामेर्ज, ब्रुस्कोपैन और रिवोट्रिल जैसी सामान्य दवाएं शामिल हैं। इससे पहले जनवरी में पाकिस्तान दवा उत्पादक संगठन (पीपीएमए) के केन्दीय चेयरमैन फारूक़ बुखारी ने बताया था कि 'अगर मौजूदा नीतियां (आयात पर प्रतिबंध) अगले चार से पांच सप्ताह तक बनी रहीं तो देश में सबसे बड़ा दवा संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने बताया था कि 'फिलहाल पाकिस्तान के दवा उत्पाद में 20-25 फीसदी की कमी आई है।

रूस के सामने यूक्रेन के डटकर खड़े हो जाने से घबराया चीन, 2027 तक टाला ताइवान पर हमले का इरादा

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन की विस्तारवाद की नीति से तो पूरी दुनिया भलि-भांति परिचित है। ताइवान को लेकर दुनिया बखूबी चीन की मंशा को जानती है। जिस दिन रूस की तरफ से यूक्रेन पर आक्रमण किया गया. उस दिन से चीन की भूख भी ताइवान पर हमला करने की बढ़ गी। चीन की मंशा पर ही अब अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए की तरफ से बड़ा दावा किया गया है। सीआईए चीफ बिल बर्न्स ने दावा किया है कि यूक्रेन युद्ध का हश्र देख चीन अपने ताइवान प्लान को रिव्यू करने पर मजबूर हो गया है। रूस जैसी सैन्य शक्ति के सामने यूक्रेन के डटकर खड़े हो जाने के कारण चीन भी घबराया हुआ है।

अमेरिकी खुफिया से पता चलता है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ताइवान पर आक्रमण करने के लिए अपने देश की सेना को '2027 तक तैयार रहने' का निर्देश दिया है। हालांकि वह वर्तमान में यूक्रेन के साथ अपने युद्ध में रूस के अनुभव को देखते हुए ऐसा करने की अपनी क्षमता पर संदेह कर सकते हैं। सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने कहा एक टेलीविजन साक्षात्कार में जोर देकर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को अंततः ताइवान को नियंत्रित करने की शी की इच्छा को ÷बहुत गंभीरता से÷ लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिनपिंग ने पीएलए, चीनी सैन्य नेतृत्व को 2027 तक ताइवान पर आक्रमण करने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि वे विचार बदल नहीं सकते। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमारा निर्णय कम से कम यह है कि राष्ट्रपति शी और उनके सैन्य नेतृत्व को आज संदेह है कि क्या वे उस आक्रमण को पूरा कर सकते हैं। ताइवान और चीन 1949 में एक गृहयुद्ध के बाद विभाजित हो गए। स्वशासी द्वीप एक संप्रभु राष्ट्र की तरह कार्य करता है फिर भी संयुक्त राष्ट्र या किसी भी बड़े देश द्वारा इसे मान्यता प्राप्त नहीं है। 1979 में राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने औपचारिक रूप से बीजिंग में सरकार को मान्यता दी और ताइवान के साथ राष्ट्र-दर-राष्ट्र संबंधों को समाप्त कर दिया। जवाब में, कांग्रेस ने ताइवान संबंध अधिनियम पारित किया, जिससे निरंतर संबंध के लिए एक मानक तैयार किया गया।

संपादकीय

सोचें ज़रा

हम धन - दौलत , गाड़ी, बंगले आदि कमाने को दौड़ रहे है हर समय दिन - रात परन्तु हमने यह सोचा है की जो सही में हमारे साथ रहने वाला है उसका हमने कितना जीवन में संग्रहण किया है । जिन्दगी मे धूप है तो घनी छांव भी तो है ।गति के साथ -साथ मे ठहराव भी तो है ।पर जो जानते है हर पल समभाव मे जीना उनके लिए जिन्दगी केवल वरदान ही तो है। अनादिकाल से 84 लाख जीव योनियों में संसारी जीव घूम रहा है ।जब तक हम कर्मों से ही लिप्त रहेंगे तब तक सिद्ध नहीं बन सकते है । यह मानव जीवन दुर्लभ है क्योंकि सिर्फ यही से ही हो सकती है जन्म - मरण से मुक्ति ।इस सत्य से जो अनजान मनुष्य रहते है वह हर युग में सुप्त बने रहते है । इसके विपरीत जो भी जागृत हुए उन्होंने अमरत्व को पा लिया है । भूतकाल ,वर्तमान और भविष्य

हर काल में मुक्ति सिर्फ और सिर्फ मनुष्य भव से पा सकते है । बस मोक्ष की सोच अंदर पैदा होनी चाहिए । अक्षय , अरुज ज्योति से प्रकाशमान और अम्लान , जन्म ,ज़रा ,मरण ,भय और शोक आदि से रहित स्थान मोक्ष है । उस अद्भुत स्थान तक पहुँचने का माध्यम सम्यक् दर्शन हैं । सम्यक् दर्शन को समझ कर जीवन के आचरण में लाओ । जिसके प्रभाव से मोक्ष की और हम आगे बढ़ सकते है तथा राग - द्वेष को पीछे छोड़ सकते है । हम इसको आज से ही गहराई में सोचें जिससे हमारा अपना दृष्टिकोण बदल जायेगा ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

वाकई खदान आदिवासियों के लिए अभिशाप है

ईसीएल तो स्वयं अब आऊट सोर्सिंग पर निर्भर है इसलिए रैयतों से सीधे बातचीत भी नहीं कर रहा है और आउटसोर्सिंग कंपनी मां अंबे जिला प्रशासन का इस्तेमाल कर रैयतों पर हमले कर रही है, उनपर झूठे मुकदमे दायर कर उन्हें डराने के काम मे लगी हुई है। झारखंड में कोयला खदान ढ़ेर सारे हैं, लेकिन यह आदिवासियों के लिए अभिशाप है। गोड्डा जिला के अंदर कोयला निकालने के लिए राजमहल परियोजना के अंतर्गत ईसीएल कंपनी लगातार कई गाँवो को विस्थापित कर रही है, गोड्डा जिला के लालमटिया प्रखंड का कई गाँव देखते ही देखते नक्शे से गायब हो गया ओर विकास की भेंट चढ़ गया।

(लेखक - कुमार कृष्णन)

खनन के लिए यदि पांचवी अनुसूची के क्षेत्रों में जमीनें ली जायेगी, तो सबसे पहले ग्रामसभा की मंजूरी जरूरी है। अन्यथा यह गैर—कानूनी हो जायेगा। झारखंड में आदिवासियों की ज़मीन सरकार बिना आदिवासियों की ग्राम सभा की अनुमति के नहीं ले सकती है।संविधान की पांचवीं सूची और छठवीं अनुसूची ने आदिवासियों को उन इलाकों की सारी भूमि का मालिक बनाया है। संथाल परगना टेनेंसी एक्ट के अनुसार, इस इलाके की जमीन को न तो बेचा जा सकता है और न ही इसका हस्तांतरण किया जा सकता है, चाहे वह आदिवासियों की जमीन हो या गैर आदिवासियों की।लेकिन विकास का मॉडल दूसरे की ज़मीन छीन कर ही चलता है। ईसीएल प्रबंधन और गोड्डा जिला प्रशासन राजमहल कोल परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के मामले मे अराजक भूमिका अदा कर रहा है। जिसके चलते तालझारी मौजा समेत कई जगह रैयत और किसान आक्रोशित हो रहें हैं। लेकिन जिला प्रशासन रैयतों को और ग्रामीण महिलाओं को अपमानित कर मामले को और उलझा रहा है और इतना ही नहीं उनपर बल प्रयोग भी कर रहा है। ईसीएल का दावा है कि उसने तालझारी मौजा मे 125 एकड़ जमीन अधिग्रहण किया है।लेकिन इसमें पारदर्शिता नहीं बरती गई क्योंकि यहां के अधिकांश रैयतों का कहना है कि उन्हें अधिग्रहण से संबंधित कोई नोटिस ही नहीं मिला है। ईसीएल तो स्वयं अब आऊट सोर्सिंग पर निर्भर है इसलिए रैयतों से सीधे बातचीत भी नहीं कर रहा है और आउटसोर्सिंग कंपनी मां अंबे जिला प्रशासन का इस्तेमाल कर रैयतों पर हमले कर रही है, उनपर झूठे मुकदमे दायर कर उन्हें डराने के काम मे लगी हुई है। झारखंड में कोयला खदान ढ़ेर सारे हैं, लेकिन यह आदिवासियों के लिए अभिशाप है। गोड्डा जिला के अंदर कोयला निकालने के लिए राजमहल परियोजना के अंतर्गत ईसीएल कंपनी लगातार कई गाँवो को विस्थापित कर रही है, गोड्डा जिला के लालमटिया प्रखंड का कई गाँव देखते ही देखते नक्शे से गायब हो गया ओर विकास की भेंट चढ़ गया। पहले कुछ गाँवो को लालच देकर और बाद में कई गाँवो को जबरदस्ती और दमन करके विस्थापित किया गया और खदान बनाकर कोयला निकाला गया। बसडीहा, लोहन्डिया, डकैटा, सहित कई गाँव आज अपने अस्तित्व में है ही नहीं या फिर थोड़ा बहुत बचा है जो कुछ दिनों में खत्म हो जायेगी। इसी क्रम में तालझारी गाँव भी है,जहाँ आदिवासी समुदाय के संथाल जनजाति के लोग बहुसंख्यक में है वहीं दो चार गैर आदिवासी समाज के घर भी हैं। बेहद शांत और पहाड़ी के किनारे बसा गाँव है सपाट इलाको में बहुफसली खेती होती है। लेकिन आज यह गाँव अपने अस्तित्व के लिए सरकारी तंत्र से लड़ रहा है, ऐसा नहीं है कि यह गाँव गैर अधिकारिक तरीके से बसा है, यह गांव झारखंड के खतियानी लोगों का है सभी के पास जमीनों के दस्तावेज हैं सभी लोगों कानून के दायरे में यहाँ पर वैध हैं। लेकिन फिर भी इसे जबरदस्ती खनन के नाम पर विस्थापित करने के लिए गोड्डा की जिला प्रशासन हर हथकंडा अख्तियार कर रही है। पिछले दिनों जब ईसीएल कंपनी खनन करते हुए अपने क्षेत्र बढ़ा रही थी और तलझारी गाँव के सीमा के पास पहुँच रही थी उसी समय हजारों की संख्या में आदिवासी संथाल समुदाय के लोग अपने परंपरागत हथियार के साथ पहुँच गए। और अपने जमीनों पर जबरदस्ती खनन का विरोध किया। आदिवासियों का इस क्षेत्र में लगातार विरोध जारी है। गाँव वालों का कहना था हम किसी भी हाल में जमीन नहीं देंगे। जान दे देंगे लेकिन जमीन नहीं देंगे आदिवासी समाज के कई लोग रो रहे थे, बिलख रहे थे। की हमें मत उजाड़ों हमारी जमीनें चली जायेगी तो हम जीते जी मर जायेंगे।यहां खदान से कोई फायदा नहीं है। बल्कि यह हमारे लिए मुसीबत और संकट बन गयी है। हमारे पर्यावरण और प्रकृति का नुकसान हो रहा है। इसके साथ - साथ आदिवासी संस्कृति और आजीविका भी संकट में है। बावजूद इसके प्रशासन इसीएल कंपनी के लिए लगातार जबरदस्ती इन गाँव वालों से जमीन अधिग्रहीत कराने में जोर आजमाइश करती हुई कंपनी के ही एजेंट के रूप में दिखी। सारे नियम के बाद भी आदिवासी अपने जमीन को बचाने में विवश थे, तब आदिवासी महिलाओं ने मोर्चा संभाला, झडप हुई। सुरक्षा बलों और स्थानीय आदिवासियों के बीच टकराव ने हिंसक रूप ले लिया। भीड़ को तितर-बितर वाटर कैनन और टीयर गैस का इस्तेमाल किया गया। इस संघर्ष में महगामा के अनुमंडलाधिकारी शिवशंकर तिवारी सहित सुरक्षा बलों के पांच जवान और लगभग एक दर्जन ग्रामीण घायल हुए हैं। एक दर्जन से ज्यादा ग्रामीणों को हिरासत में भी लिया गया है। संघर्ष, तनाव और ग्रामीणों की नारेबाजी के बीच ईसीएल अफसरों ने तालझारी गांव में अधिग्रहित जमीन पर बुलडोजर और जेसीबी की मदद से जमीन का सीमांकन और समतलीकरण शुरू करा दिया है। इस क्षेत्र में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

ईसीएल ने अपनी राजमहल कोल परियोजना के विस्तार के लिए बीते पांच सालों के दौरान बोआरीजार प्रखंड के तालझारी गांव की 125 एकड़ जमीन अधिग्रहित की है। वर्ष 2018 से ही वहां ईसीएल की ओर से खदान विस्तार की प्रक्रिया शुरू करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन तालझारी के रैयतों सहित आसपास के गांवों के कड़े विरोध आदिवासी बहुल क्षेत्र में पांचवी अनुसूची के अनुसार कोई भी कार्य बिना ग्राम सभा के सहमति से शुरू नहीं किया जा सकता। और 2018 में ही तालझारी गाँव के ग्रामीणों ने ग्राम सभा के माध्यम से यह निश्चय किया था कि गाँव और गाँव की बाकि जमीनों को किसी भी हाल में कोयला खनन के लिए ईसीएल कंपनी को नहीं दिया जायेगा। फिर भी जबरदस्ती कई प्रयास किये गए कि जमीन हथिया लिया जाए, लेकिन यह नहीं हो सका। तब आज जबरन प्रशासन के सहायता से इस गाँव को उजाड़ने का प्रयास किया गया। लेकिन ग्रामीणों के जबरदस्त विरोध के बाद प्रशासन के पीछे हट गए। सैकड़ों गाँव इसी तरह जबरदस्ती हथिया लिए गए। ग्रामीण लगातार विरोध कर रहे हैं।उनका कहना है कि ईसीएल प्रबंधन ने पूर्व में लोगों को ठगने का काम किया है। जिसका नतीजा है कि पूर्व में हुए विस्थापित लोगों में कइयो का आज तक मुआवजा और नौकरी और पुनर्वास लंबित है।वहीं जो जमीन रैयतों की ली गयी है, उसमे ग्राम सभा की सहमति नहीं ली गयी है।कुछ लोगों को प्रबंधन द्वारा अपने पक्ष में कर जमीन ली गई है। ऐसे में बगैर ग्रामसभा के भूमि अधिग्रहण को वे नहीं मानते। आदिवासी अधिकार मंच के अध्यक्ष सुभाष हेम्ब्रम ने कहा कि संताल परगना काश्तकारी कानून का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मानवेल हांसदा का कहना है कि आदिवासियों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित किए जाने की साजिश नहीं चलेगी इसलिए राज्य सरकार इस मामले मे हस्तक्षेप कर आदिवासियों को न्याय दिलाए। आज से करीब सात- आठ साल पहले गोड्डा में अडानी का प्रवेश हुआ था। परसपानी गाँव में पॉवर प्लांट लगना था वो भी बंजर जमीन पर लेकिन राजनीति के कारण वहाँ जमीन अधिग्रहण नहीं हो पाया। बाद में मोतिया गाँव के लोगों ने अडानी का स्वागत किया हालांकि कुछ लोगों के द्वारा विरोध भी हुआ। इस विरोध में भी कुछ लोगों का जमीन से मोह था तो कुछ राजनीति से प्रेरित। उस समय भाजपा केंद्र में सरकार चला रही थी तो राज्य में भी रघुवर दास की सरकार थी। विपक्ष को मुद्दा मिल गया था जिसे अच्छे से भुनाया भी गया।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

जीएम सरसों की पैरोकारी के अबूझ सवाल

राजेन्द्र चौधरी

अक्तूबर, 2022 में जीएम सरसों की सीमित उद्देश्यों के लिए खुले खेतों में खेती करने की अनुमति दी गई थी। देशभर में इस निर्णय पर बहस खड़ी हो गई, जिसके चलते कुछ समय पहले कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद महानिदेशक ने एक स्पष्टीकरण जारी किया। प्रभावी रूप में यह स्पष्टीकरण कम से कम चार महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े करता है। स्पष्टीकरण में कहा गया है कि 'भारत सरकार ने निर्यात बाजार को ध्यान में रखते हुए बासमती पर कोई ट्रांसजेनिक विकास कार्य नहीं करने का निर्णय पहले ही ले लिया है।' यह स्वीकारोक्ति है कि दुनिया के अधिकांश देश जीएम फसलों का उपभोग नहीं करना चाहते। इस लिए भारत सरकार बासमती के निर्यात को बनाए रखने के लिए जीएम बासमती नहीं पैदा करना चाहती फिर जीएम धान एवं जीएम सरसों क्यों? जीएम सरसों की अनुमति दी जा चुकी है और हाल में जारी उपरोक्त स्पष्टीकरण के अनुसार जीएम धान पर काम जारी है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जो तकनीक निर्यात के लिए उपयुक्त नहीं, उसी तकनीक से उत्पन्न खाद्य पदार्थ देशवासियों को खाने के लिए क्यों विवश किया जा रहा है? स्पष्टीकरण में यह दावा भी किया गया है कि जीएम सरसों ने परीक्षणों में 28 प्रतिशत ज्यादा पैदावार दी है। परन्तु इसके साथ ही यह आश्वासन भी दिया गया है कि 'वर्तमान में विकसित संकरों और किस्मों के खिलाफ इसके प्रदर्शन का परीक्षण करने पर अगर डीएमएच 11 काफी बेहतर पाया जाता है, तो ही इसे व्यावसायिक खेती के लिए जारी किया जाएगा।' यानी स्पष्ट है कि जिस जीएम सरसों के बीज को खुले खेतों में उगाने की अनुमति दी गई है, उसकी पैदावार बढ़ाने की क्षमता पर संशय है एवं अभी तुलनात्मक परीक्षण किये जाने हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि इसे खुले वातावरण में जारी करने की अनुमति ही क्यों दी गई है? क्यों नहीं ये परीक्षण नियंत्रित वातावरण में किये जा सकते, जैसे कि पहले किये गए थे जिनमें 28 प्रतिशत बढ़ोतरी का दावा किया गया है? सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि 'एहतियाती सिद्धांत के रूप में, जीईएसी ने विकासकर्ताओं को रिलीज के पहले दो वर्षों के दौरान मधुमक्खी और परागणकों पर जीएम सरसों के प्रभाव पर डेटा उत्पन्न करने का निर्देश दिया है।' लेकिन वैश्विक स्तर पर एहतियाती सिद्धांत का मानक अर्थ यह है कि सुरक्षित साबित होने के बाद ही प्रयोग परन्तु यहां अनुमति देने के बाद प्रभावों का अध्ययन किया जाएगा।

ऐसे में दुष्प्रभाव सामने आने पर क्या होगा? दशकों पहले का उदाहरण ही लें तो अमेरिकी गेहूं के साथ आये खरपतवार 'कांग्रेस घास' का कोई उपाय निकला है क्या? जीएम बीजों के साथ सबसे बड़ा खतरा यही है कि खुले वातावरण में जाने के बाद इन पर कोई नियंत्रण नहीं रहता। बीज की बिक्री रोकी जा सकती है, परन्तु खुले वातावरण में जाने के बाद बीज का प्रजनन, उगना नहीं रोका जा सकता। एक बार खुले

खेत में जाने के बाद, पहली बात तो यह कि इस पर किसी का नियंत्रण नहीं होता। दूसरे, यह गैर-जीएम बीजों को भी हमेशा तक और हमेशा के लिए प्रदूषित कर सकता है। किसी भी फसल के जीएम बीजों के खुली हवा में जाने के बाद गैर जीएम बीजों का शुद्ध बने रहना लगभग असंभव है। सचिव की ओर से दिये स्पष्टीकरण में यह स्वीकार करने के बाद कि इस बीज में ऐसा जीन डाला गया है जिस पर खरपतवारनाशी या शाकनाशी का प्रयोग किया जा सकता है, यह कह कर पल्ला झाड़ लिया गया है कि 'केवल संकर बीज उत्पादन कार्यक्रम में शाकनाशी का उपयोग किया जाना चाहिए न कि संकर की व्यावसायिक खेती में, क्योंकि आवेदक द्वारा प्रपत्रों में इस विशेषता का दावा नहीं किया गया है।'

ऐसे में यह जानते हुए भी कि इस पर खरपतवारनाशी का प्रयोग किया जा सकता है, इसलिए इस तथ्य को नज़रअंदाज़ किया गया है क्योंकि आवेदक ने इसके खरपतवारनाशी सहनशील होने का दावा नहीं किया है। लेकिन अनुमति पत्र में तो स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बिना अनुमति के खेत में खरपतवारनाशी सहनशील इस फसल पर खरपतवारनाशी का प्रयोग करने पर कानूनी करवाई होगी! यह दावा करने के साथ कि जारी किये गए जीएम बीज आवश्यक एवं पर्याप्त जांच में पूरी तरह से सुरक्षित पाये गए हैं यह भी चेतावनी दी गई है कि 'अगर अधिकृत या पूर्व कर्मचारियों द्वारा इस विषय पर प्रकाशित की गई कोई भी राय या लेख नियामक अधिकारियों द्वारा किए गए दस्तावेजों और निर्णयों से अलग है ...सार्वजनिक हित में आवश्यक किसी भी प्रशासनिक प्रक्रिया के अधीन है।' होना तो यह चाहिए था कि अगर सरकार को अपनी जांच पर भरोसा था, तो सारे आंकड़े सार्वजनिक कर के खुली चुनौती देती, परन्तु यहां तो पूर्व कर्मचारियों तक को सरकारी राय से मतभेद सार्वजनिक न करने की चेतावनी दी जा रही है। एक तरह से देखा जाये तो सरकारी स्पष्टीकरण में ही मौजूद तथ्य स्पष्ट तौर पर गवाही देते हैं कि जीएम सरसों सुरक्षित एवं वांछनीय तो नहीं ही कही जा सकती है।

विचार मंथन

आत्महत्या पर मुख्य न्यायधीश चंद्रचूड़ की चिंता

(लेखक-सनत जैन)

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने, देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में छात्रों द्वारा की जा रही, आत्महत्या की प्रवृत्ति को लेकर गहरी चिंता जताई है। वह हैदराबाद के नेशनल अकेडमी आफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। वहां पर उन्होंने चिंता जाहिर की है।

मुख्य न्यायाधीश महोदय ने शिक्षण संस्थानों से आह्वान किया कि वह अपनी उस गलती को खोजें, जिसके कारण छात्रों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने के लिए विवश होना पड़ रहा है। शिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रम इस तरीके के हों, जो उन्हें नौकरी और रोजगार से जोड़ने वाले हों। शिक्षण संस्थान ऐसे पाठ्यक्रम तैयार करें जिससे छात्रों के मन में संवेदनशीलता पैदा हो, भेदभाव की भावना खत्म हो। उनका आत्म विश्वास बढ़े। पढ़ाई पूरी करने के बाद उनको रोजगार और नौकरी मिले। डिग्री के अनुरूप उनमें योग्यता भी विकसित हो। यह शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी होनी चाहिए।

मुख्य न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ ने जो की संवेदनशीलता, छात्रों के लिए व्यक्त की है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से मजदूरों, किसानों, व्यापारियों तथा पारिवारिक झगड़ों के कारण आत्महत्या की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ सभी वर्गों में बढ़ती जा रही है। एनसीआरबी ने 2014 से 2021 तक के दिहाड़ी मजदूरों की आत्महत्या के आंकड़े जारी किए हैं। 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों को मिलाकर 36 राज्यों में पिछले 8 वर्षों में 2 लाख 35 हजार 479 दिहाड़ी मजदूरों ने आत्महत्या की है। हर साल हजारों मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं। साल दर साल यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। तमिलनाडु में 44254 महाराष्ट्र में 29516 तथा मध्य प्रदेश के 25486 दिहाड़ी मजदूरों ने आत्महत्या पिछले 8 वर्षों में की है। मध्यप्रदेश में पिछले 5 वर्षों में 20126 दिहाड़ी मजदूरों ने आत्महत्या की है। मजदूरों को 27 दिन की मजदूरी भी मनरेगा में नहीं मिल पा रही है। मजदूरी करने के बाद भुगतान भी 2 से 3 माह बाद प्राप्त हो रहा है। मनरेगा में 204 रूपये प्रतिदिन की मजदूरी तय है। 27 दिन की मजदूरी में उन्हें 5508 वार्षिक प्राप्त हो रहे है। ऐसी स्थिति में वह अपने परिवार का भरण-पोषण कैसे कर सकते है। भारत में बेरोजगारी भत्ता मिलता नहीं है। जिसके कारण मजदूरों में आत्महत्या की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। 5 किलो मुफ्त अनाज भी मजदूरों के परिवार के लिए जिंदा रहने का कारण नहीं बन पा रहा है।

कुछ इसी तरह की स्थिति किसानों की भी बनी हुई है। पिछले 8 सालों में देश के सभी राज्यों में कर्ज के बोझ से दबे किसान प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में आत्महत्या कर रहे हैं। पिछले वर्षों में महंगाई, बेरोजगारी, और कर्ज को लेकर, परिवार के बीच में झगड़े हो रहे हैं। उससे तलाक और आत्महत्या की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। पिछले दो-तीन वर्षों में तो परिवार के सभी सदस्यों को मारकर परिवार का मुखिया आत्महत्या करने जैसे कदम उठा रहा है। इसमें अब व्यापारी भी पीछे नहीं हैं। बढ़ता कर्ज,बढ़ता टैक्स, बढ़ती महंगाई, कर्ज और टैक्स समय पर नहीं चुका पाने के वित्तीय संस्थानों और सरकारी संस्थाओं का उत्पीड़न आत्महत्या का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। बेरोजगारों को डिग्री होने के बाद भी नौकरी नहीं मिलना, उन्हें आत्महत्या के लिए विवश कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की नजर इस अमानवीय प्रवृत्ति पर पड़ी है। श्री चंद्रचूड़ एक संवेदनशील जज है। वर्तमान अर्थ युग में जिस तरह से लोग महंगाई, बेरोजगारी और कर्ज के कारण आत्महत्या जैसे आत्मघाती कदम उठा रहे हैं। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका के ऊपर भी आम लोगों की निगाह है। स्वयं संज्ञान लेकर न्यायपालिका कुछ इस तरीके के कदम उठाए। जिससे आम गरीब आदमी को आत्महत्या जैसे कदम ना उठाना पड़े। उसे 2 जून का भोजन आसानी से उपलब्ध हो। मुख्य न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ आत्महत्या की घटनाएं ना हो। इस दिशा में केंद्र एवं राज्य सरकारों की जिम्मेदारी तय करने की दिशा में भी न्यायपालिका को सार्थक पहल करने होगी।

जिसमें मन को खुशी मिले वही काम करें

हर इंसान की पसंद, जरूरतें और प्राथमिकताएं दूसरे से अलग होती हैं। इसलिए दूसरों की बिन मांगी सलाह पर अमल करने के बजाय हमें वही करना चाहिए, जो खुद को सही लगे। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से जूलॉजी में एमएससी किया था। मैं बचपन से ही पढ़ाई में काफी अच्छी थी और मुझे टीचिंग का प्रोफेशन बहुत पसंद था। मैं करियर को लेकर ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं हूं और न ही मेरे मन में ज्यादा पैसे कमाने की लालसा है। मेरे पैरेंट्स चाहते थे कि मैं आगे रिसर्च करूं और साइंटिस्ट बनूं। इसलिए उनका मन रखने के लिए मैंने रिसर्च के लिए बीएचयू में अप्लाई कर दिया था और वहां से बुलावा भी आ गया था। इसी बीच बरेली के एक कॉलेज में भी मुझे जॉब मिल गई जिसे छोड़कर मैं बनारस नहीं जाना चाहती थी।

तब परिवार के अलावा दोस्तों और पास-पड़ोस के लोगों ने मुझे बहुत समझाया कि ऐसे मौके बार-बार नहीं मिलते और इन्हें खोना मूर्खता होगी। तुम्हें आगे रिसर्च करना चाहिए। इससे भविष्य और उज्जवल होगा। इसके लिए मुझे लोगों से कई तरह की बातें सुनने को मिलीं, पर मैं अपने फैसले पर अडिग रही। मेरा मानना है कि हमें वही कार्य करना चाहिए, जिससे हमारे मन को सच्ची खुशी मिले। अब मैं अपने कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हूं और मुझे अपने उस निर्णय पर जरा भी अफसोस नहीं है। मैं इस बात का पूरा यकीन करती हूं कि हर इंसान को अपने जीवन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय खुद ही लेने चाहिए।

ध्यान नहीं दिया व्यर्थ की बातों पर

मैंने शास्त्रीय संगीत में विशारद की उपाधि हासिल की है, पर शादी के बाद घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई। मैं जॉब करना चाहती थी, लोगों के सामने स्टेज पर गाना चाहती थी, जब भी मैं अपनी यह इच्छा जाहिर करती तो मेरे मायके-ससुराल वाले साथ मिलकर मुझे समझाने लगते कि ये सब बेकार की बातें हैं, बाहर की दुनिया स्त्रियों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर गाने का इतना ही शौक है तो घर पर ही रियाज कर लिया करो, लेकिन मैं अपनी पहचान बनाना चाहती थी। इसलिए मैंने लोगों की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। अपनी सारी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए शहर की कुछ सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर मैंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गाना शुरू कर दिया। आज जब लोग मेरे गायन की प्रशंसा करते हैं तो इससे मुझे सच्ची आत्म-संतुष्टि मिलती है। इतना ही नहीं, अब परिवार के लोग भी मेरी इस कामयाबी पर गर्व करते हैं।

इन सात मंत्रों से रहा जा सकता है खुश

- अपनी सोच हमेशा सकारात्मक रखें। साथ ही प्रतिदिन अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। याद रखें, जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है, बस पूरी शक्ति के साथ प्रयास करने की जरूरत है। नकारात्मक सोच रखने से न केवल हमारा आत्मविश्वास कमजोर होता है, बल्कि हमारा स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।
- पुरानी यादों और बातों को भूलकर वर्तमान पर अपना ध्यान केंद्रित करें। याद रखें यदि आप सिर्फ पुरानी यादों और बातों के बारे में सोचती रहेंगी तो वर्तमान का सुख उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं, लेकिन जहां जाने पर आपका मन दुखी हो जाता हो, वहां बिल्कुल न जाएं।
- जब भी मौका मिले मनपसंद संगीत सुनें। कई शोध-अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि पसंदीदा संगीत तनाव के स्तर को काफी कम कर देता है।
- न किसी ने सही कहा कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में घंटों बीत जाते हैं। इसलिए स्वयं भी हंसें और दूसरों को भी हंसने का अवसर प्रदान करें।
- आप जो खाती हैं वही आपके चेहरे और शरीर से झलकता है। खानपान या रहन-सहन में थोड़ी-सी लापरवाही का असर सीधा आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए अपने खानपान पर पर्याप्त ध्यान दें। मौसमी सब्जियों और फलों का नियमित सेवन करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि आपका खानपान कलरफुल हो अर्थात आपके भोजन में हर रंग का समावेश होना चाहिए।
- विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित डाइट से आप हमेशा फिर रह सकती हैं। न चेहरे पर रौनक तभी आती है, जब आपके शरीर को पूर्ण विश्राम मिले। इसके लिए जरूरी है कि पर्याप्त नींद लें। पर्याप्त नींद लेने से न केवल चेहरे पर चमक आती है, बल्कि स्वास्थ्य भी सही रहता है।

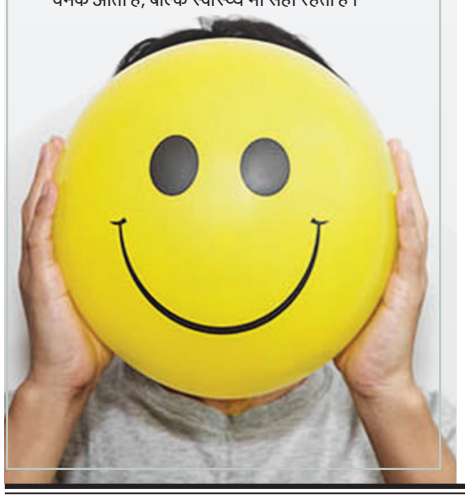

स्ट्रीट शॉपिंग में अच्छी बार्गेनिंग के लिए फॉलो करें ये स्मार्ट ट्रिक्स

स्ट्रीट शॉपिंग में सही बार्गेनिंग करने के लिए आप कुछ आसान ट्रिक्स को फॉलो कर सकती हैं और अच्छे सामान सही दामों में खरीद भी सकती हैं।

दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट हो या फिर मुंबई की लिंकिंग रोड मार्केट, भला किसे सस्ते दामों में अच्छे सामान की शॉपिंग करना अच्छा नहीं लगता है। यूं कहा जाए कि स्ट्रीट शॉपिंग कई लोगों की जरूरत नहीं बल्कि शौक होता है। दरअसल स्ट्रीट मार्केट ऐसे मार्केट होती है जिसमें कई तरह की अच्छी और ब्रांडेड चीजें भी सही दामों में मिल जाती हैं। जब भी स्ट्रीट शॉपिंग की बात आती है तब आप में से कई लोग दुकानदार के बताए दामों पर ही चीजें खरीद लेते होंगे और कई लोग दाम कम कराने के लिए अच्छी बार्गेनिंग भी करते होंगे। इस तरह की मार्केट में कई बार दुकानदार किसी भी सामान के दाम मनचाहे ढंग से बताते हैं और अगर आपने ठीक तरह से बार्गेनिंग नहीं की तो वो आपको सस्ते दामों वाले सामान भी ज्यादा दामों पर बेच सकते हैं। इसलिए स्ट्रीट शॉपिंग में आपको अच्छी बार्गेनिंग की जरूरत होती है जिससे आप सही सामन उचित दामों में खरीद सकें। अगर आपको बार्गेनिंग नहीं आती है तो आप कुछ स्मार्ट ट्रिक्स से स्ट्रीट शॉपिंग में बार्गेनिंग कर सकते हैं।

कई दुकानों और स्टालों की जांच करें

आप चाहे दिल्ली की सरोजिनी नगर में स्ट्रीट शॉपिंग कर रही हों या गोवा की फ्ली मार्केट में सामान खरीद रही हों, सबसे पहले आपको किसी एक सामान के लिए कई अलग -अलग स्टालों की जांच करनी चाहिए। ऐसा करके आप देखेंगे कि अधिकांश दुकानों और स्टालों में एक ही तरह के कपड़े और सामान हो सकते हैं। कई बार किसी कपड़े का पैटर्न, प्रिंट, कलर सब लगभग एक जैसा ही होता है लेकिन उनके दाम अलग होते हैं ऐसे में अगर आपको कोई ऐसी चीज मिलती है जो आपको पसंद है, तो कई दुकानों से उसके दाम पता करें। इससे

आपको यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि क्या कोई दुकानदार कीमत को ज्यादा बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। सामान्य तौर पर मार्केट की छोटी दुकानों की तुलना में सड़क के किनारे के स्टालों की दरें हमेशा सस्ती होंगी आप सही कीमत के हिसाब से बार्गेनिंग करके शॉपिंग करें।

थोड़ा झूठ भी है जरूरी

स्ट्रीट शॉपिंग के समय आपके लिए थोड़ा झूठ बोलना भी अच्छा होता है। यदि आप चाहते हैं कि दुकानदार आपको गंभीरता से ले, तो आपको यह दिखाना होगा कि आप अलग-अलग जगह और कीमतों से परिचित हैं। आप स्ट्रीट शॉपिंग दुकानदार से यह कह सकते हैं कि आप उस खास जगह और बाजारों में अच्छी तरह से खरीदारी करते हैं और आप हर एक सामान के सही दामों से परिचित हैं। ये स्मार्ट ये न जटाएं कि आपको किसी सामान की बहुत ज्यादा जरूरत है। अगर दुकानदार आपकी जरूरत को समझ जाता है तो वो बढ़ चढ़ कर दाम बताता है। इसलिए आपका न्यूट्रल रिएक्शन बार्गेनिंग में मदद कर सकता है।

दुकानदार की कीमत का आधा दाम बताएं

कुछ मामलों में यह बेतुका लग सकता है, लेकिन हमेशा जब भी आओ स्ट्रीट शॉपिंग कर रहे हों तब आप दुकानदार द्वारा बताए दाम का लगभग 50-60% कम करने से आप उस कीमत के करीब पहुंच जाते हैं, जो वास्तव में उस सामान की कीमत है। दरअसल स्ट्रीट शॉपिंग में दुकानदार अपनी इच्छा से दाम बढ़ा देते हैं जो बार्गेनिंग से कम किये जा सकते हैं।

चीजों में ढूढें डिफेक्ट

जब आप स्ट्रीट शॉपिंग के लिए जाएं तो किसी भी सामान में कोई ऐसा डिफेक्ट ढूंढने की कोशिश करें जो वास्तव में डिफेक्ट न होकर उस कपड़े का डिजाइन या कलर ही हो। लेकिन आप डिफेक्ट के नाम पर अच्छी बार्गेनिंग करके स्ट्रीट शॉपिंग (भारत के इन राज्यों में उठाएं स्ट्रीट मार्केट का मजा) में चीजों के दाम कम करा सकती हैं। स्ट्रीट मार्केट में मिलने वाले बहुत से कपड़े वास्तव में ऐसे होते हैं जो होल सेल से आते हैं और इसमें कोई बहुत छोटा सा डिफेक्ट भी हो सकता है जैसे बटन का ढीला होना या किसी जगह की सिलाई खुलना। सामान सेलेक्ट करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप उसके हर इंच को स्कैन कर लें। यदि डिफेक्ट ज्यादा बड़ा नहीं है तो आप इसके दाम कम करा सकते हैं। वास्तव में यह एक स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक है।

मेहंदी का रंग चढ़ेगा गहरा जानिए आसान तरीके

महिलाएं 16 श्रंगार करती है, सजती - संवरती है। उन्हीं में से मेहंदी भी श्रंगार का ही हिस्सा है। इसके बिना तीज त्योहार या किसी भी प्रकार का पर्व पूरा नहीं होता है। लेकिन बदलते दौर में मेहंदी के रंग भी फीके पड़ने लगे हैं। कुछ नुस्खें है जिन्हें फॉलो कर आप अपनी मेहंदी का रंग गहरा कर सकती हो। तो आइए जानते हैं 5 आसान से टिप्स -

- मेहंदी को घोलते समय उसमे में सादा पानी नहीं मिलाते हुए चाय की पत्ती का पानी डालें। इसे बनाने के लिए तपेली में एक कप पानी रखें,उसमे पत्ती डाल दें। पानी को थोड़ी देर उबाल लें और ठंडा होने के बाद उससे मेहंदी घोल लें।
- मेहंदी घोलने से पहले मेहंदी में ही तेल डाल दें। इससे मेहंदी का कलर एक जैसा आता है। वहीं मेहंदी हल्की सी सुख जाने के बाद एक कटोरी में पानी लेकर उसमें शक्कर डाल दें। इसके बाद रूई की मदद से मेहंदी पर लगाएं। कलर अच्छा आएगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप रूई की मदद से अचार का तेल भी लगा सकते हैं। इससे मेहंदी का कलर खूब जमेगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप इसे हटा देते हैं, और लेकिन पानी से हाथ नहीं धोएं। इसके पहले थोड़ी देर के लिए घरेलू बाम का इस्तेमाल करें। अपने हाथों पर हल्के हाथों से लगा लें। ध्यान रहे उंगलियों के पोरस पर नहीं लगाएं। ताकि गलती से आंख में नहीं लग जाएं।
- मेहंदी सूखने के बाद रूई की मदद से हल्के हाथों से मेहंदी का तेल लगा लें। इसके बाद करीब 3 घंटे तक हाथों पर पानी नहीं लगाएं। फिर देखिए कितना गहरा रंग आता है।

कैसा होना चाहिए बच्चे का पूरे हफ्ते का डाइट चार्ट

सही डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए बच्चे को अच्छी डाइट की जरूरत होती है। अगर आप बच्चे को उसकी उम्र के हिसाब से खाना खिलाएं, तो इससे उसके विकास में काफी मदद मिलती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता रहे हैं कि ढाई साल के बच्चे का हफ्तेभर का डाइट चार्ट कैसा होना चाहिए।

सोमवार का भोजन चार्ट

ढाई साल के बच्चे को सुबह 7 से 8 बजे एक कप दूध में ड्राई फ्रूट्स के साथ एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में 830 से 930 बजे के बीच बच्चे को नारियल की चटनी के साथ एक डोसा खिलाएं। इसके कुछ देर बाद 11 से 1130 बजे बच्चे को चुकंदर और गाजर का एक कप सूप पिलाएं। 1 से 2 बजे के बीच बच्चे का लंच करवाना है जिसमें उसे आधा कप हरी मटर के चावल और आधा कप चिकन करी खिलानी है। वेजिटेरियन हैं तो आधा कप चावल, आधा कप सहजन की दाल में एक चम्मच घी डालकर और आधा कप दही दें। शाम को 430 से 530 बजे बच्चे को पनीर सैंडविच दें और फिर रात को 730 से 8.15 बजे डिनर में एक मटर का परांठा और आधा कप दही खिलाएं।

मंगलवार की डाइट

सुबह बच्चे को एक कप दूध में बादाम और एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। नाश्ते में बच्चे को सेरेलेक खिला सकती हैं। इसके थोड़ी देर बाद एक वेज रोज और आधा कप तरबूज खिलाना है। लंच में आधा कप वेज पुलाव और आधा कप रायता खिलाएं। शाम को एक कप मैंगो जूस पिलाएं। अब डिनर में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप चुकंदर की सब्जी दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बुधवार का खाना

25 साल के बच्चे को सुबह ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक इडली और दो चम्मच नारियल की चटनी खिलाएं। कुछ देर बाद एक कप संतरे का जूस पिलाना है। लंच में आधा कप चावल, आधा कप दाल पालक, एक चम्मच घी और आधा कप दही खिलानी है। इसके थोड़ी देर बाद एक रागी का लड्डू और एक केला खिलाएं। डिनर में बच्चे को आधा कप वेजिटेबल खिचड़ी के साथ आधा कप दही दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बृहस्पतिवार का भोजन चार्ट

सुबह उठने के बाद बच्चे को एक कप केले के मिल्क शेक में एक चम्मच शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। कुछ देर बाद बच्चे को आधा कप मिक्स वेज सूप और आधा कप अनानास खिलाना है। दोपहर को लंच में आधा कप मिक्स वेजिटेबल राइस और आधा कप दाल फ्राई खिलाएं। लंच के बाद एक बेसन का लड्डू और आधा कप खरबूजा खिलाएं। डिनर में आधा कप वेज नूडल्स दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शुक्रवार का डाइट चार्ट

शुक्रवार को सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक कप पोहा खिलाएं। फिर थोड़ी देर बाद एक संतरा देना है। बच्चे को लंच में आधा कप चावल, आधा कप लौकी की दाल और एक चम्मच घी डालकर खिलाएं। शाम को एक वेज कटलेट के साथ आधा कप लस्सी पिलाएं। रात को डिनर में एक परांठा और आधा कप दाल फ्राई में एक चम्मच घी डालकर परोसें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शनिवार का खाना कैसा रखें

सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। थोड़ी देर बाद एक कप पपीता और 4 से 5 खजूर खिलाएं। लंच में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप गाजर और आलू की सब्जी दें। शाम को एक कप गाजर का सूप पिलाएं। रात को डिनर में आधा कप वेजिटेबल पास्ता खिलाएं। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

विस्तार एयरलाइन को विलय के बाद एयर इंडिया के नाम से जाना जाएगा

मुंबई । टाटा समूह की विमानन कंपनी एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने कहा कि विस्तार एयरलाइन का विलय होने के बाद भी पूर्ण-सेवा एयरलाइन को एयर इंडिया के नाम से ही पहचाना जाएगा। विल्सन ने कहा कि समूह की योजना एक पूर्ण-सेवा एयरलाइन और एक किफायती सेवा एयरलाइन का गठन करने की है। इस योजना के तहत एयर इंडिया और विस्तार को मिलाकर पूर्ण-सेवा एयरलाइन बनाई जाएगी। पिछले साल जनवरी में मोदी सरकार से एयर इंडिया का नियंत्रण अपने हाथ में लेने के बाद से ही टाटा समूह इसके पुनर्गठन की कोशिशों में लगा है। इस क्रम में विस्तार का विलय एयर इंडिया के साथ करने जबकि एयरएशिया इंडिया का विलय एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ हो रहा है। विल्सन ने कहा कि समूह एयर इंडिया और विस्तार दोनों की विरासत को आगे बढ़ाने का इच्छुक है और इस दिशा में कोशिश जारी है। हालांकि, विलय के बाद इस पूर्ण-सेवा एयरलाइन को एयर इंडिया का ही नाम देने की सोच है। उन्होंने कहा, ''भारतीय विमानन बाजार में विस्तार की मजबूत पहचान है, लेकिन भारत के बाहर एयर इंडिया को काफी जाना जाता है और इसका 90 साल का इतिहास है। भावी पूर्ण-सेवा एयरलाइन को एयर इंडिया के नाम से पुकारा जाएगा लेकिन विस्तार की कुछ विरासत को कायम रखा जाएगा।

दिवगी टॉर्कट्रांसफर सिस्टम्स के शेयर का मूल्य 560 से 590 रुपये तय किया

मुंबई । वाहन कलपुर्जा विनिर्माता दिवगी टॉर्कट्रांसफर सिस्टम्स ने अपने 412 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 560 से 590 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी का आईपीओ एक मार्च को खुलकर तीन मार्च को बंद होगा। एंकर निवेशक 28 फरवरी को शेयरों के लिए बोलियां लगा सकते हैं। कंपनी ने कहा कि आईपीओ के तहत 180 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा कंपनी के निवेशक और अन्य शेयरधारक 39.34 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। निर्गम का 75 प्रतिशत हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों, 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों तथा शेष 10 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित होगा। निवेशक कम से कम 25 शेयरों के लिए बोलियां लगा सकते हैं।

स्पाइसजेट ने कार्लाइल एविएशन पार्टनर्स के बकाया को पुनर्गठित किया

मुंबई । किफायती विमानन सेवाएं देने वाली एयरलाइन स्पाइसजेट ने पट्टे पर विमान देने वाली कंपनी कार्लाइल एविएशन पार्टनर्स के बकाया 10 करोड़ डॉलर को इक्विटी शेयरों और अनिवार्य परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) में पुनर्गठित किया है। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल की बैठक में कार्लाइल एविएशन पार्टनर्स को 2.95 करोड़ डॉलर (244.28 करोड़ रुपए) मूल्य के शेयर 48 रुपए प्रति शेयर या सेबी द्वारा तय भाव, जो भी ऊंचा है, पर जारी करने की मंजूरी दी है। इस लेनदेन के बाद कार्लाइल एविएशन पार्टनर्स के पास स्पाइसजेट की 7.5 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी होगी। कार्लाइल एविएशन पार्टनर्स कार्लाइल के 143 अरब डॉलर के वैश्विक ऋण मंच की वाणिज्यिक विमानन निवेश एवं सेवा इकाई है। कंपनी ने कहा कि कार्लाइल एविएशन पार्टनर्स द्वारा हमारे यात्री और कार्गो कारोबार में हिस्सेदारी के अधिग्रहण से स्पाइसजेट और स्पाइसएक्सप्रेस की व्यापक क्षमताओं का पता चलता है।

शेयर बाजार की रौनक गायब निवेशक सहमे

मुंबई । (एजेंसी)

हिंडन बर्ग की रिपोर्ट आने के बाद से शेयर बाजार लगातार गिरावट की ओर है।अडानी समूह की कंपनियों के शेयर लगातार गिरावट की ओर हैं। जिसके कारण पिछले 1 माह में निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। बैंकिंग स्टाक भी भारी दबाव में हैं। 2023 मे बैंकिंग सेक्टर, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर की कंपनियों ने निवेशकों को काफी हद तक निराश किया है। 2023 में आईटी सेक्टर में जरूर बेहतर रिटर्न दिया है।

2023 में अडानी समूह के साथ-साथ बैंकिंग सेक्टर ने निवेशकों को भारी निराश किया है।बैंकिंग सेक्टर के शेयर में केनरा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों में 15 फ़ीसदी से अधिक की गिरावट रही है। वहीं इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में भी लगातार गिरावट बनी रही। बैंकों को अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए डिपॉजिट पर आकर्षक ब्याज की घोषणा करनी पड़ी।वर्ष 2023 के लगभग 2 महीने में पावर सेक्टर, आयल एंड गैस सेक्टर, पीएसयू बैंक,निफ़्टी बैंक और मेटल के शेयर में निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा।विदेशी निवेशकों की बिकवाली भी बनी हुई है। जिससे बाजार में दहशत बनी हुई है।

अडानी समूह की कंपनियों को भारी झटका लगा है। उसका बाजार में नकारात्मक असर पड़ा है। बैंकिंग और भारतीय जीवन बीमा निगम के शेयर भी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार शेयर बाजार से रौनक पूरी तरह गायब हो चुकी है। निवेशक सहमे हुए हैं।उन्हें भय है, कि बाजार और भी गिर सकता है। अतः वह संभल- संभल कर चलने की कोशिश कर रहे हैं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपये में गिरावट आई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे टूटकर 82.85 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। यह गिरावट विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने के साथ ही घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख की वजह से निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से आई है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.87 पर खुला और कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव की तुलना में 10 पैसे फिसलकर 82.85 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.82 के उच्चस्तर और 82.94 के निम्न स्तर पर पहुंचा। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.75 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक हल्की गिरावट के साथ ही 105.15 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.46 फीसदी बढ़कर 83.54 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया।

सोने की कीमत में गिरावट, दो महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली । सोमवार को सप्ताह की शुरुआत में सोने में कमजोर कारोबार हो रहा है। व्यापारियों द्वारा अपने सौदों के आकार को कम करने से वायदा कारोबार में सोमवार को सोना 65 रुपये गिरकर 55,367 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, अप्रैल डिलीवरी के लिए सोना अनुबंध 11,196 लॉट के कारोबार में 65 रुपये या 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55,367 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। विश्लेषकों ने सोने की कीमतों में गिरावट का श्रेय कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान को दिया। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,816.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। कारोबारियों के सौदे कम करने से चांदी का वायदा भाव सोमवार को 458 रुपये की गिरावट के साथ 62,975 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के मार्च डिलीवरी वाले अनुबंध का भाव 458 रुपये या 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62,975 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया, जिसमें 4,961 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी की कीमत 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20.77 डॉलर प्रति औंस रह गई। अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने में दबाव जारी है। कीमती धातु वर्तमान में दो महीने के निचले स्तर पर कारोबार कर रही है।

NOPE ने भारत में स्मार्ट गैजेट्स और मोबाइल एक्सेसरीज की पहली रेंज लॉन्च की

NOPE ने भारत में स्मार्ट गैजेट्स और मोबाइल एक्सेसरीज की पहली रेंज लॉन्च की है। एनओपीई एक स्वदेशी ब्रांड है जो न्यूजीलैंड के लिए उच्च प्रदर्शन वाले गैजेट और स्मार्ट वियरेबल्स देने पर केंद्रित है। ब्रांड आज के युवाओं के मूल्यों को अच्छी तरह समझता है। NOPE ने भारत में स्मार्ट गैजेट्स और मोबाइल एक्सेसरीज की पहली रेंज लॉन्च की है। एनओपीई एक स्वदेशी ब्रांड है जो न्यूजीलैंड के लिए उच्च प्रदर्शन वाले गैजेट और स्मार्ट वियरेबल्स देने पर केंद्रित है। ब्रांड आज के युवाओं के मूल्यों को अच्छी तरह समझता है। NOPE की यूएसपी इसकी निर्माण सुविधाओं में निहित है और यह अपनी निर्माण इकाइयों से 100त्न स्वदेशी बनने पर केंद्रित है। इतना ही नहीं इसका डिजाइन भी आकर्षक है

NOPE एक OEM (मूल उपकरण निर्माता) है। यह अपने स्वयं के उत्पादों का निर्माण करता है और किसी तीसरे पक्ष के विक्रेता से सोर्सिंग उपकरण या उत्पादों को जोड़ने पर निर्भर नहीं करता है। NOPE ने पहले दिन से ही गुणवत्ता नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसे उद्योग में अन्य समान खिलाड़ियों से ब्रांड के लिए प्रमुख विभेदकों में से एक माना जाता है।

NOPE ने अपने आगमन को एक मायावी उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ चिह्नित किया जिसमें एनओपीई फ्लैगशिप नेकबैंड सहित उत्पादों की एक आशाजनक श्रृंखला शामिल है। जिसमें जेम वायरलेस ईयरफोन, ब्लूटूथ स्पीकर 'बूम' और ब्लूटूथ स्पीकर के साथ इको, नियो अलग-अलग वेरियंट में शामिल हैं। TWS ईयरबड्स जिन्हें फ्रेंड्स एंड शॉट्स कहा जाता है, 'बज़' पर ध्यान केंद्रित करते हैं - युवा और जीवंत ऑडियो प्रेमी मिलेनियल्स।

NOPE नेकबैंड और ईयरबड्स में टच कंट्रोल के साथ-साथ टच कंट्रोल और टाइप सी फास्ट चार्जिंग, गूगल असिस्टेंट और सिरी सपोर्ट जैसे 13 मिमी ड्राइवर जैसी कुछ अनूठी विशेषताएं हैं। एनओपीई में स्मार्ट गैजेट्स और मोबाइल एक्सेसरीज की एक विस्तृत श्रृंखला भी है। इनमें स्मार्ट वॉच फिट बैंड के साथ यूएसबी चार्जर, यूएसबी और टाइप सी चार्जिंग केबल, कार चार्जर, पावर बैंक और वायरलेस चार्जर शामिल हैं। बॉट, नॉइज़ और मिवी एनओपीई जैसे खिलाड़ियों से भरी श्रेणी में, ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वितरण नेटवर्क और वितरक-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर दिया जाता है। 15 ब्रांड भागीदारों के साथ 370+ वितरक, जिनकी 30,000+ खुदरा बिंदुओं तक एकीकृत पहुंच है। एनओपीई की वितरण विशेषज्ञता, आकर्षक साझेदारी मॉडल और अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान ब्रांड की सफलता में सहायक हो सकता है।

ब्रांड अपने गुणवत्ता केंद्रित दृष्टिकोण के साथ बी2बी वितरण चैनलों से ऑनलाइन मार्केटप्लेस तक 360ए ओमनीचैनल नेटवर्क पर जोर देना चाहता है। श्री केशव अरोड़ा के नेतृत्व में एनओपीई ब्रांड भारत के उज्ज्वल और आत्मविश्वासी युवाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी उत्पाद श्रृंखला की स्थिति बनाकर युवाओं की अपरंपरागत पसंद बनने का इरादा रखता है। बिक्री और विपणन में 22 से अधिक वर्षों के अनुभव वाले उद्योग के दिग्गज केशव ने निस्संदेह अपने उत्साह का प्रदर्शन किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि उपभोक्ता ब्रांड से क्या उम्मीद कर सकते हैं।

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाक से बोरिया-बिस्तर समेटने में जुटीं मारुति सुजुकी, होंडा और टोयोटा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

पाकिस्तान के हालात दिनों दिन खराब होते जा रहे हैं। पाकिस्तानी अर्थव्यवस्थ था कर्ज के बोझ तले दब चुकी है। खाने-पीने तक के लिए मारामारी मची है। अब एक और बड़ा संकट पाकिस्तान पर आ खड़ा हुआ है। पाक में लंबे समय से व्यापार कर रही मारुति सुजुकी, होंडा और टोयोटा जैसी बड़ी कंपनियां अपना बोरिया बिस्तर समेटने लगी हैं। बिगड़ते आर्थिक हालात के चलते इन कंपनियों ने अब अपने प्लांट बंद करने शुरू कर दिए हैं। इस वजह से अब लाखों की संख्या में पाकिस्तानी बेरोजगार होने की कगार पर हैं, जो इन प्लांट्स में काम करते हैं।

बढ़ते आर्थिक संकट के बीच सुजुकी मोटो कॉर्प ने अपने स्थानीय प्लांट को पार्ट्स की कम सप्लाई का हवाला देकर बंद कर दिया है इसके साथ ही टायर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी गांधारा ने भी 13 फरवरी को अपना प्लांट बंद कर दिया। कंपनियों ने इसको लेकर अलग अलग बहाने दिए हैं। हालांकि किसी ने भी ये नहीं कहा है कि पाकिस्तान के बिगड़ते हालात के चलते वे वहां से निकल रहे हैं। गांधारा ने कहा है कि कच्चे माल का आयात और बैंकों से कंसाइनमेंट के लिए क्लीयरेंस में परेशानियों का सामना कर रहे थे, जिसके चलते प्लांट को बंद करने का फैसल लिया गया है। सुजुकी ने भी पार्ट्स की कमी का बहाना बनाया है। इससे पहले होंडा और टोयोटा ने भी अपने प्लांट्स कच्चे माल की कमी का हवाला देते हुए बंद कर दिए थे।

आंकड़ों पर गौर करें तो पाकिस्तान में लगातार ऑटो सेक्टर मंदी का सामना कर रहा है। कारों की बिक्री में 80 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसके चलते कंपनियां लगातार घाटे में चल रही थीं। बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के चलते लोगों के पास खाना खरीदने के भी पैसे नहीं है ऐसे में गाड़ियों की बिक्री लगभग खत्म हो चली है। पिछले तीन साल के न्यूनतम स्तर पर कारों की बिक्री जनवरी में दर्ज की गई है। दूसरी तरफ पेट्रोल और डीजल की आसमान छूती कीमतों ने लोगों की पहले ही कमर तोड़ कर रख दी है। ऐसे में लोग वहां पर गाड़ियां चलाना ही लगभग बंद कर चुके हैं।

एयरटेल के नेटवर्क पर एक करोड़ के पार हुए 5जी ग्राहक

नई दिल्ली । दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के नेटवर्क पर 5जी ग्राहकों की संख्या एक करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। कंपनी ने कहा कि वह मार्च, 2024 के अंत तक सभी कस्बों और महत्वपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों तक एयरटेल 5जी सेवाएं पहुंचाने के लिए अच्छी स्थिति में है। कंपनी ने बताया कि उसके नेटवर्क पर 5जी कनेक्शन की संख्या एक करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। नवंबर, 2022 में एयरटेल पहली और एकमात्र परिचालक थी जिसके नेटवर्क पर 5जी की वाणिज्यिक शुरुआत के बाद ग्राहकों की संख्या 30 दिन में 10 लाख के आंकड़े को पार कर गई थी। उल्लेखनीय है कि देश में द्रुत गति की 5जी सेवाओं की शुरुआत एक अक्टूबर, 2022 को हुई थी।

फिलहाल थम नहीं रहा गिरावट का दौर, अडाणी समूह के तीन शेयरों में लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली ।

अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी है। अडानी टोटल गैस, अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड व अन्य कंपनियों के शेयरों में बिकवाली के कारण दबाव नजर आया। लगातार टूटते शेयरों की वजह से अडाणी समूह की कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन घट गया है। सोमवार के कारोबार में बिकवाली के दबाव के कारण अडानी समूह की 10 कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 7 लाख करोड़ रुपये से नीचे आ गया। सोमवार के इंट्राडे स्तर पर अडानी समूह का मार्केट कैपिटलाइजेशन 6.97 लाख करोड़ रुपए रहा। वहीं, 24 जनवरी को मार्केट कैपिटलाइजेशन 19.19 लाख करोड़ रुपये रहा था। तब से लेकर इसमें 63.69 फीसदी या 12.22 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आई है। अमेरिकी रिसर्च हिंडनबर्ग ने अडाणी समूह को जोरदार झटका दिया है। हिंडनबर्ग ने अडाणी ग्रुप पर अपनी रिसर्च रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें शेयरों के हेर-फेर और कर्ज को लेकर बड़े दावे किए गए थे। इस रिपोर्ट के आने के बाद अडाणी के शेयरों में भारी गिरावट आई है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट 24 जनवरी 2023 को आई थी। इसके बाद से अडानी टोटल गैस लिमिटेड को मार्केट वैल्यू में 3.48 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अडानी एंटरप्राइजेज का मार्केट कैप 2.46 लाख करोड़ रुपए घटा है। अडानी ट्रांसमिशन और अडानी ग्रीन एनर्जी के भी क्रमशः 2.32 लाख करोड़ और 2.29 लाख करोड़ रुपए साफ हो गए हैं। अडाणी पावर, अडाणी पोर्ट्स और अंबुजा सीमेंट्स को क्रमशः 42,522 करोड़ रुपए, 51,413 करोड़ रुपए और 31,542 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयर सोमवार को सुबह के कारोबार में 2.41 फीसदी की गिरावट के साथ 1,283 रुपए पर ट्रेड कर रहे थे। अडानी पावर 2.59 प्रतिशत गिरकर 143 रुपये था। अडाणी ट्रांसमिशन, अडाणी ग्रीन एनर्जी और अडाणी टोटल गैस में पांच फीसदी की गिरावट के बाद लोअर सर्किट लग गया है। अडाणी विल्मर 2.82 प्रतिशत गिरकर 352.10 रुपये ट्रेड कर रहा था। समूह के अन्य शेयरों में एनडीटीवी 3 प्रतिशत टूटा था। अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड में 2 फीसदी की गिरावट आई, जबकि एसीसी 0.60 फीसदी टूटा।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद सरकारी बैंकों के शेयर भी 18 फीसदी तक लुढ़के

नई दिल्ली । अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद से अडानी की 10 लिस्टेड कंपनियों की मार्केट वैल्यू 146 अरब डॉलर या करीब 60 फीसदी घट गई है। अडानी के कुछ शेयरों में तो लगातर लोअर सर्किट लग रहा है। सिर्फ अडानी ही नहीं एलआईसी और कुछ बैंकों के शेयर भी नीचे आए हैं। कुछ सरकारी बैंकों के शेयर 18 फीसदी तक लुढ़क गए हैं। बैंक ऑफ इंडिया का शेयर पिछले एक महीने में 18 फीसदी से अधिक गिर गया है। शुक्रवार को यह शेयर 1.20 रुपए गिरकर 70.05 रुपए पर बंद हुआ। यह शेयर 24 जनवरी को 80.55 रुपए पर था। इस शेयर का 52 हफ्ते का उच्च स्तर 103.50 रुपए और 52 हफ्ते का निम्न स्तर 40.40 रुपए है। इस बैंक का बीएसई पर मार्केट कैप शुक्रवार को 28,745.48 करोड़ रुपए था। बीते एक महीने में इंडियन ओवरसीज बैंक का शेयर 17 फीसदी टूट गया है। यह शेयर 24 जनवरी को 29.15 रुपए पर था। शुक्रवार को यह 24.20 रुपए पर बंद हुआ था। इस शेयर का 52 हफ्ते का उच्च स्तर 36.70 रुपए और निम्न स्तर 15.25 रुपए है।

बीते एक महीने में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का शेयर 16.7 फीसदी टूट गया है। यह शेयर एक महीने पहले 80 रुपए का था, जो शुक्रवार को 67.05 रुपए पर बंद हुआ है। इसका 52 हफ्ते का उच्च स्तर 96.40 रुपए और निम्न स्तर 33.55 रुपए है। सरकार क्षेत्र के बैंक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का शेयर बीते एक महीने में 16.47 फीसदी टूट गया है। यह शेयर शुक्रवार को 25.35 रुपए पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई । (एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच ही सेंसेक्स और निफ्टी टूटे हैं। कारोबार के दौरान रियल्टी, और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी दर्ज की गयी जबकि धातु, आईटी और वाहन शेयरों में गिरावट रही। कारोबार के अंत में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 175.58 अंक करीब 0.30 फीसदी नीचे आकर 59,288.35 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.10 अंक करीब 0.42 फीसदी गिरावट के साथ ही 17,392.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में भी सेंसेक्स और निफ्टी नीचे आया था। कारोबार के दौरान अडानी इंटरप्राइसेस, बजाज ऑटो, यूपीएल, टाटा स्टील और इंफोसिस के शेयर निफ्टी के सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयर रहे हुआ जबकि आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक , पॉवर ग्रिड कारपोरेशन , एसबीआई और एचडीएफसी लाईफ निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में रहे। वहीं अपैरल रिटेल कंपनी फैबइंडिया ने अपने आईपीओ की योजना को अभी टाल दिया है। फैबइंडिया की लिस्टेड प्रतिद्वंद्वी कंपनियों में वेदांत फैशन, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल और अरविंद फैशन शामिल हैं, जिनमें इस साल अब तक 14 से 21 फीसदी तक का नुकसान हुआ है। इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। वैश्विक बाजार में चल रही बिकवाली का असर सोमवार सुबह घरेलू निवेशकों के सेंटिमेंट पर भी दिखा और बाजार खुलते ही निवेशक मुनाफावसूली पर उतर आए।

पिछले सप्ताह भी बाजार में लगातार गिरावट दिखी थी और निवेशकों के करीब सवा 3 लाख करोड़ रुपए डूब गए थे हालांकि गिरावट के बीच भी 5 शेयरों ने जबरदस्त मुनाफा कराया है। सेंसेक्स 133 अंक गिरकर 59,331 पर खुला और कारोबार की शुरुआत हुई, जबकि निफ्टी 37 अंकों के नुकसान के साथ 17,429 पर खुला और कारोबार शुरू किया। बाजार पर सुबह से ही दबाव दिख रहा है और निवेशकों का सेंटिमेंट निगेटिव बना हुआ है।

अडानी ग्रुप 400 मिलियन डॉलर जुटाने ग्लोबल क्रेडिट फंड्स से कर रहा चर्चा

- अडानी ग्रुप एक प्रमुख कोयला बंदरगाह के एसेट्स पर यह कर्ज जुटाना चाहता है

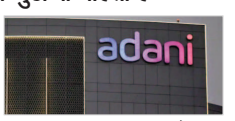

नई दिल्ली । अपनी कंपनियों के मार्केट कैप में जबरदस्त गिरावट के बाद अब अडानी ग्रुप विदेश से कर्ज लेने की कोशिशों में लगा है। अडानी ग्रुप ने 400 मिलियन डॉलर (33.15 अरब रुपए) जुटाने के लिए ग्लोबल क्रेडिट फंड्स के साथ चर्चा शुरू की है। अडानी ग्रुप एक प्रमुख कोयला बंदरगाह के एसेट्स पर यह कर्ज जुटाना चाहता है। यह बंदरगाह विवादास्पद कारमाइकल खदान से ग्रुप के ठोस जीवाश्म ईंधन के ऑस्ट्रेलियाई एक्सपोर्ट में एक बड़ा हिस्सा रखता है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने यह जानकारी दी है। अडानी फैमिली ट्रस्ट द्वारा नियंत्रण नॉर्थ क्वींसलैंड एक्सपोर्ट टर्मिनल को अब अडानी ग्रुप के लिए धन जुटाने में मदद करने पर विचार किया जा रहा है। पिछले महीने 24 जनवरी को यूएस शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग ने अडानी ग्रुप पर एक रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट के आने के बाद से ग्रुप को 150 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है। रिपोर्ट में कहा गया था कि अडानी की कंपनियां 85 फीसदी ओवरवैल्यूड हैं। साथ ही ग्रुप पर शेयरों में हेरफेर का भी आरोप लगाया गया था। हाल ही के खुलासों से पता चला है कि अडानी ग्रुप के प्रमोटर्स के पास ऑस्ट्रेलियाई बंदरगाह के एसेट्स में 100 फीसदी हिस्सेदारी है। सूत्रों ने बताया कि ग्रुप ने कई बड़े हाई यील्ड ग्लोबल क्रेडिट फंड्स के साथ बातचीत शुरू की है। साथ ही ग्रुप को अब तक संभावित कर्जदाताओं से दो इंडिकेटिव टर्म शीट्स भी मिली हैं। एक सूत्र ने कहा कि ग्रुप एनक्यूएक्सटी के कैश फ्लो पर फंड जुटाना चाहता है। इसका उद्देश्य दूसरे पेमेंट्स के लिए फंड अपस्ट्रीम करना है। यह पहली बार नहीं है जब ग्रुप ने अपने एसेट्स पर फंड जुटाने की कोशिश की हो। कॉरपोरेट फाइलिंग से पता चलता है कि एनक्यूएक्सटी के पास पिछले साल दिसंबर में मैच्योर होने वाले 500 मिलियन डॉलर के कर्ज पुनर्भुगतान थे। रिपोर्ट्स का मानना है कि रिफाइनेंसिंग ऑप्शंस की कमी के चलते इनका भुगतान आंतरिक स्रोतों और प्रमोटर्स द्वारा कैश इम्प्यूजन के जरिए हुआ था।

तुर्किये में भूकंप प्रभावित बच्चों के लिए फुटबॉल मैदान पर लगाए खिलौनों के ढेर

अंकारा। विनाशकारी भूकंप से प्रभावित बच्चों की मदद के लिए तुर्की फुटबॉल क्लब बेसिकटास के प्रशंसकों ने फापोर्ट टीएवी एंटाल्यास्पोर के खिलाफ मैच के दौरान मैदान पर हजारों आलीशान खिलौनों के ढेर लगा दिए।तुर्की समाचार एजेंसी अनादोलु ने बताया कि इस्तांबुल के वोडाफोन पार्क में बेसिक्तास और एंटाल्यास्पोर के बीच रविवार का मैच तुर्की के दक्षिणी क्षेत्र में तीन हफ्ते पहले आए भूकंप की याद में शुरू होने के बाद 4 मिनट 17 सेकंड पर रोक दिया गया था।प्रशंसकों ने हजारों आलीशान खिलौने और स्कार्फ फेंके। खिलाड़ी और कर्मचारी उन्हें लेने के लिए मैदान पर पहुंचे। खिलौने भूकंप से प्रभावित बच्चों को भेजे जाएंगे।

डब्ल्यूपीएल : गुजरात जायंट्स ने बेथ मूनी को कप्तान, स्नेह राणा को उप-कप्तान नियुक्त किया

मुंबई, (एजेंसी)

अडाणी समूह के स्वामित्व वाली गुजरात जायंट्स ने सोमवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन सीजन से पहले ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को कप्तान और भारतीय हरफनमौला स्नेह राणा को टीम का उप-कप्तान नियुक्त किया। खेल में सबसे प्रभावशाली विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक माने जाने वाले मूनी और उनकी टीम ऑस्ट्रेलिया ने 2018, 2020 और 2023 में महिला टी20 विश्व कप के साथ-साथ 2022 में महिला वनडे विश्व कप और स्वर्ण पदक बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेल के दौरान जीता।मूनी, जिन्होंने तीन बार महिला बिग बैश लीग जीती है, महिला टी20 में उन कुछ बल्लेबाजों में से एक हैं, जिन्होंने कई शतक बनाए हैं, जिसमें दो उनके नाम हैं, साथ ही 17 अर्धशतक भी हैं।वह ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की सबसे विश्वसनीय सदस्यों में से एक हैं और उन्होंने अपने करियर में अब तक 83 से अधिक मैच खेले हैं और 2,350 रन बनाए हैं, जिसमें महिला टी20 विश्व कप 2023 के फाइनल में नाबाद 74 रन भी शामिल हैं, जिसमें उन्होंने मैन ऑफ द मैच पुरस्कार जीता।फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक मीडिया विज्ञप्ति में अडाणी गुजरात जायंट्स की कप्तान बेथ मूनी ने कहा, मैं 2023 में ऐतिहासिक महिला प्रीमियर लीग के उद्घाटन सीजन में अडाणी गुजरात जाइंट्स का नेतृत्व करने का अवसर पाकर खुश हूं। टीम जल्द ही गेंद को रोल करने के लिए उत्सुक है और डब्ल्यूपीएल के डेब्यू सीजन में क्रिकेट का एक मनोरंजक और प्रभावी ब्रांड पेश करेगी जो उम्मीद है कि हमें ट्रॉफी तक ले जाएगी।

मेरे डिप्टी के रूप में स्नेह राणा को पसंद करना बिल्कुल शानदार होगा और मिताली राज, राचेल हेन्स और नूशिन अल खदीर टीम के महत्वपूर्ण हिस्से हैं।दूसरी ओर, उप-कप्तान स्नेह राणा वर्तमान में भारतीय क्रिकेट में सबसे अधिक पहचाने जाने वाले चेहरों में से एक हैं और राष्ट्रीय टीम में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। ऑफ स्पिनर अपनी दृढ़ता और जब भी वह मैदान पर होती है तो महत्वपूर्ण विकेट लेने के लिए जानी जाती हैं। मुख्य कोच राचेल हेन्स ने कहा, हमारे कप्तान के रूप में बेथ मूनी और उप-कप्तान के रूप में स्नेह राणा को पसंद करना बहुत अच्छा है। दोनों खिलाड़ी बहुत अच्छी तरह से स्थापित हैं और मुझे उम्मीद है कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ पैर आगे रखेगी। हम अपनी नई पारी के लिए उत्साहित हैं।

गुजरात जायंट्स लीग के पहले दिन ही अपना पहला मैच खेलेगी जब उसका मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा।

जोकोविच ने ग्राफ का रिकार्ड तोड़ा

न्यूजर्सी । (एजेंसी)

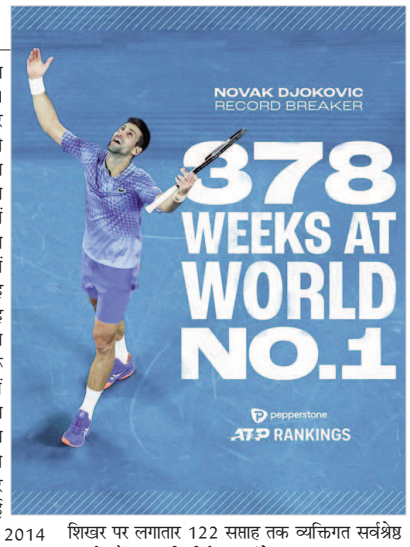

सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। जोकोविच ने सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने के पूर्व महिला टेनिस स्टार जर्मनी की स्टेफनी ग्राफ के विश्व रिकार्ड को तोड़ दिया है। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने एटीपी रैंकिंग के इतिहास में नंबर 1 के रूप में सबसे अधिक हफ्तों का रिकॉर्ड पहले ही अपने नाम कर लिया था जब उन्होंने मार्च 2021 में स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर के 310 सप्ताह के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। अब वह ग्राफ से भी आगे निकल गए हैं और विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर अपना 378वां सप्ताह शुरू कर रहे हैं। मेलबर्न में अपने रिकॉर्ड 10वें ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब के बाद, जोकोविच ने नंबर 1 स्थान पर एक बार फिर दावा किया है। विश्व के नंबर 5 से शीर्ष स्थान की सबसे बड़ी छलांग लगाई है। जोकोविच पहली बार 24 साल और 43 दिन की उम्र में 4 जुलाई 2011 को नंबर 1 पर पहुंचे, और 7 जुलाई, 2014 और 6 नवंबर, 2016 के बीच एटीपी रैंकिंग के शिखर पर लगातार 122 सप्ताह तक व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही शीर्ष पर पहुंचे।

फ्रेंच लीग : एमबाप्पे और मेस्सी के गोल से पीएसजी ने मार्सिले को हराया

पेरिस । काइलियान एमबाप्पे के दो और लियोनल मेस्सी के एक गोल से फ्रेंच लीग में शीर्ष पर चल रहे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने खिताब के दावेदारों में शामिल मार्सिले को 3-0 से हराया। एमबाप्पे लीग में 17 गोल के साथ शीर्ष पर चल रहे हैं। उन्होंने रविवार को पीसीजी की ओर से सर्वाधिक 200 गोल दागने के एडिनसन कवानी के क्लब रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। पीएसजी को इसी महीने फ्रेंच कप में मार्सिले के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था। टीम इस मुकाबले में एमबाप्पे के बिना खेली थी और उन्हें इस स्टार खिलाड़ी की कमी खली। इस बार टीम में नेमार नहीं थे लेकिन उसे ब्राजील के इस स्टार खिलाड़ी की कमी नहीं खली। इस मुकाबले में जीत दूसरे स्थान पर चल रहे मार्सिले को गत चैंपियन पीएसजी से सिर्फ दो अंक की दूरी पर पहुंचा देती लेकिन अब वह शीर्ष पर चल रही इस टीम ने आठ अंक पीछे है जबकि 13 दौर का खेल बाकी है।

ईरानी कप में शेष भारत की कप्तानी करेंगे मयंक

मुम्बई । (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ईरानी कप के लिए बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को शेष भारत टीम का कप्तान बनाया है। वहीं बल्लेबाज सरफराज खान हल्के फ्रैक्चर के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। सरफराज के बाईं छोटी उंगली में फ्रैक्चर हुआ है। ऐसे में बीसीसीआई चयन समिति ने बाबा इंद्रजीत को टूर्नामेंट के लिए उनकी जगह पर रखा है। सरफराज इस समय दिल्ली कैपिटल्स के प्री-आईपीएल कैंप के साथ हैं। वह विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण दिल्ली केपिटल्स टीम की ओर से अहम भूमिका निभा सकते हैं। वह कोलकाता के ईडन गार्डन्स में डीसी के कैंप में विकेटकीपिंग का अभ्यास कर रहे हैं हालांकि उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता कोई खतरा नहीं उठाना चाहेंगे। पिछले तीन सत्रों में सरफराज ने 26 मैचों में रणजी ट्रॉफी में लगभग 3,000 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 106.70 का रहा है पर इसके बाद भी उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं अन्य खिलाड़ियों में बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाश दीप को भी टीम में जगह मिली है। बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार को भी शेष भारत ने शामिल किया है। वहीं वेंकटेश अय्यर और अवेश खान भी वापसी कर रहे हैं। रजत पाटीदार के मध्य प्रदेश का नेतृत्व करने की उम्मीद है।

शेष भारत टीम इस प्रकार हैः मयंक अग्रवाल (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, यशस्वी जायसवाल, यश ढुल, बाबा इंद्रजीत, उपेंद्र यादव (विकेटकीपर), अतीत सेठ, सौरभ कुमार, हार्विक देसाई, नवदीप सैनी, मुकेश कुमार, चेतन सकारिया, आकाश दीप, मयंक मारकंडे, पुलकित नारंग, सुदीप कुमार घरामी।

संक्षिप्त समाचार

अरोनियन ने डबल्यूआर मास्टर्स शतरंज खिताब जीता

डूसेलड्रफ । अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने डबल्यूआर मास्टर्स शतरंज खिताब जीता है। अरोनियन ने टाईब्रेक प्ले ऑफ में भारत के डी गुकेश को शिकस्त देते हुए यह खिताब अपने नाम किया है। भारत के गुकेश दूसरे स्थान पर रहे। वहीं अंतिम दौर में रूस के एसीपेंकों आन्द्रे के साथ मुकाबला बराबरी पर रहने से भारत के प्रज्ञानन्दा को दसवां स्थान मिला। क्लासिकल के नौवे राउंड में गुकेश और अरोनियन के बीच बाजी बराबरी पर रही। भारत के गुकेश रूस के यान नेपोमनिशी और जर्मनी के विन्सेंट केमर पर जीत के कारण 5.5 अंको के साथ टाई पर पहुँच गए पर अंत में प्ले ऑफ में अरोनियन नें दोनों ही विरोधियों को हराकर खिताब पर कब्जा कर लिया। वहीं नेपोमनिशी को हराकर गुकेश को दूसरा स्थान मिला।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 टीम ऑफ द टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ी रिचा घोष का नाम शामिल

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका में 2023 आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के समापन के बाद टूर्नामेंट की टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष जगह बनाने वाली अकेली भारतीय खिलाड़ी हैं।अप्रत्याशित रूप से चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की ओर से चार खिलाड़ियों ने प्लेइंग इलेवन में जगह बनाई है, उपविजेता दक्षिण अफ्रीका के साथ एक तिकड़ी है, जिसके बाद इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज में दो खिलाड़ी और एक प्रतिनिधि हैं। आयरलैंड का भी एक प्रतिनिधि है, लेकिन वह 12वें खिलाड़ी के रूप में है। रिचा दक्षिण अफ्रीका में पिछले महीने आईसीसी महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप में एक विजयी भारतीय अभियान के पीछे टूर्नामेंट में आई थीं। वह पहले तीन मैचों में नॉटआउट रही और 68 की औसत और 130.76 की स्ट्राइक रेट से 136 रन बनाए। टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 47 रन बनाकर इंग्लैंड के खिलाफ आया, हालांकि भारत 11 रन से हार गया। ऋचा ने पांच कैच और दो स्टंपिंग सहित सात सफल अवसरों के साथ टूर्नामेंट का नेतृत्व किया, जो भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर एशलेग गार्डनर, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी एलिसा हीली, डार्सी ब्राउन और मेगन के साथ शामिल हैं, जबकि इंग्लैंड के नेट साइवर-ब्रंट को टूर्नामेंट की टीम का कप्तान चुना गया है। पूरे टूर्नामेंट में 110 रन बनाने और 10 विकेट लेने के बाद तालिका में संयुक्त दूसरे स्थान पर रहने के लिए एशले को चुना गया है। ऑफ स्पिनर ने टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े दर्ज किए, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज में 12 रन देकर पांच विकेट लिए। विकेटकीपर-बल्लेबाज एलिसा ने ऑस्ट्रेलिया के विजयी अभियान के दौरान 47.25 की औसत से 189 रन बनाए और क्रमशः न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ दो अर्धशतक लगाए। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक कैच और तीन स्टंपिंग भी की। डार्सी ने पूरे टूर्नामेंट में सात विकेट लिए, केवल पांच की इकोनॉमी का आंकड़ा दर्ज किया। उन्होंने टूर्नामेंट में 78 डॉट बॉल फेंकी।

आईपीएल और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप से भी बाहर हो सकते हैं बुमराह

मुम्बई । (एजेंसी)

पिछले काफी समय से चोटिल होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी अभी संभव नजर नहीं आती है , ऐसे में उनके आईपीएल और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में खेलने की उम्मीदें नहीं हैं। बुमराह अभी तक अपनी चोट से उबर नहीं पाये हैं। ऐस में 31 मार्च से शुरू वाले आईपीएल के 16 सत्र से उनका बाहर होना तय है। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में उनका खेलना भी संदिग्ध हो गया है। बुमराह करीब पांच छह माह से टीम से बाहर हैं। उनके ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैचों से सीरीज से वापसी की उम्मीदें थीं जो गलत साबित हुईं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस तेज गेंदबाज को उबरने में परेशानी हो रही है और वह सहज अनुभव नहीं कर रहे हैं। बुमराह ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से सितंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में खेल था और तभी उन्हें पीठ में चोट लगी थी। शुरुआत में लगा कि यह एक हल्का सा झटका है पर बाद में पता चला कि चोट गहरी है। इसी कारण वह 2022 के टी20 विश्व कप में भी नहीं खेल पाये थे। उन्हें अभी तक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से फिर से खेलने की अनुमति तक नहीं मिली है। इसी रिपोर्ट से पता चलता है कि एनसीए खिलाड़ी को मैदान में लाने के लिए जल्दबाजी नहीं कर करना चाहता है। बीसीसीआई और एनसीए इसी साल देश में होने जा रहे एकदिवसीय विश्व कप से पहले बुमराह की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करा सकता है। बुमराह हाल ही में एनसीए में मैच-सिमुलेशन वर्कलोड से भी गुजरे थे। इससे आईपीएल 2023 से पहले उनकी संभावित वापसी को लेकर अटकलें लगायी जाने लगीं थी।

अगर बुमराह आईपीएल नहीं खेलते हैं तो इससे मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका लगेगा। इसके अलावा भारतीय टीम जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2021-23 (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दौड़ में बनी हुई है और चाहेगी कि बुमराह तब तक फिट हो जायें।

गांगुली के साथ क्रिकेट खेलते नजर आये रणबीर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली एक कार्यक्रम के दौरान बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर के साथ क्रिकेट खेलते नजर आये। गांगुली की बायोपिक बनने जा रही है और इसमें रणबीर मुख्य भूमिका निभाएंगे। उसी को देखते हुए उनके रणबीर के साथ खेलने पर सभी का ध्यान गया है। इस कार्यक्रम में रणवीर और गांगुली के क्रिकेट खेलने की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। रणबीर आजकल अपनी आने वाली फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' का प्रमोशन कर रहे हैं। वहीं रणबीर ने गांगुली के साथ एक प्रमोशनल इवेंट में एक साथ क्रिकेट खेला। इन तस्वीरों में रणबीर काले रंग की पोशाक में नजर आ रहे हैं जिस पर 'रणबीर का मक्कार' लिखा हुआ है। वहीं, गांगुली सफेद रंग की टी-शर्ट पहने नजर आ रहे हैं, जिस पर 'दादा की झूठी' लिखा हुआ है। दोनों ही मैदान पर खेल का आनंद उठाते नजर आए। गांगुली पर बायोपिक बनने की खबरें इसलिए भी सामने आई हैं क्योंकि गत दिनों ही गांगुली ने कहा था कि ऐसी एक पटकथा लिखी जा रही है। उन्होंने कहा था, मैं कई कामों के लिए मुंबई में रहूंगा। इस बायोपिक की स्क्रिप्ट को लेकर चर्चा चल रही है। मैं खुद स्क्रिप्ट लिख रहा हूं। आने वाले समय में स्क्रीनप्ले पर बातें भी होंगी।

ऑस्ट्रेलिया के दो बड़े 'योद्धा' हुए तैयार, तीसरे टेस्ट में दिखाएंगे दम

(एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के लिए तीसरा टेस्ट करो या मरो स्तिथि जैसा है। मेहमान टीम चार टेस्ट मैचों की सीरीज के शुरूआती दो मैचों में एकतरफा हार का सामना करती नजर आई। अब अगला मैच 1 मार्च से इंदौर शुरू होगा, जिसमें मेहमान टीम हर हाल में वापसी करना चाहेगी। लेकिन राह मुश्किल है क्योंकि उनके कप्तान पैट कमिंस निजी कारणों से वापस लौट चुके हैं तो वहीं डेविड वार्नर समेत भी अन्य 6 खिलाड़ी लौट गए। अब कमान स्टीव स्मिथ के हाथों में है। उनके लिए अच्छी खबर यह है कि उनके दो बड़े 'योद्धा' तीसरे टेस्ट में उतरने को तैयार हैं जो फिलहाल बाहर थे।

तीसरे टेस्ट में दिखाएंगे दम

जी हां...लगातार झटके खाने के बाद अब मेहमान टीम के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। दरअसल, पहले दो टेस्ट में चूकने वाले मिचेल स्टार्क और कैमरन ग्रीन तीसरे टेस्ट में खेलने के लिए तैयार हैं। दोनों को उंगली की चोट से उबरने के बाद खेलने के लिए मंजूरी दे दी गई है। हालांकि स्टार्क पूरी तरह से चोट से नहीं उबर पाए हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने मैदान पर उतरने के लिए जोश दिखाया है। वहीं कैमर की बात करें तो पहले उनकी उपलब्धता पर सस्पेंस बना हुआ था , लेकिन अब वह पूरी तरह से फिट हैं। उन्होंने फ्रैक्चर हुई उंगली की सर्जरी कराई थी और ऑलराउंडर को पूरी तरह ठीक होने के लिए समय की जरुरत थी। ग्रीन ने कहा कि वो दूसरा टेस्ट खेलने के करीब थे, लेकिन एक अतिरिक्त सप्ताह मिलने से वो पूरी तरह फिट हो गए हैं और आखिरी दो मैचों में उपलब्ध रहेंगे।

जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रो लीग मैचों में भारत की अगुवाई करेंगे हरमनप्रीत

नई दिल्ली। (एजेंसी)

ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह आगामी एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) हॉकी प्रो लीग मैचों में मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगे। मिडफील्डर हार्दिक सिंह टीम के उपकप्तान होंगे। टीम में अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश और युवा पवन शामिल हैं, जिन्होंने कृष्ण बहादुर पाठक की जगह ली है। पाठक अपनी शादी के कारण टीम से बाहर रहेंगे। हरमनप्रीत के साथ जुगराज सिंह, नीलम संजीप जेस, जरमनप्रीत सिंह, सुमित, मंजीत और मनप्रीत सिंह टीम की रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगे जबकि मिडफील्ड में हार्दिक, विवेक सागर प्रसाद, मोइरंगथम रबीचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, दिलप्रीत सिंह, शमशेर सिंह और राज कुमार पाल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। युवा एस कार्थी, सुखजीत सिंह, अभिषेक और गुरजंत अग्रिम पंक्ति को मजबूती प्रदान करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के डेविड जॉन और बीजे करियप्पा को शिवेंद्र सिंह के साथ आगामी मैचों के लिए अंतरिम कोच के रूप में नामित किया गया है। जिन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टीम में चयन नहीं हुआ है, उन्हें रविवार से बेंगलुरु में शुरू हुई तीसरी हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2023 में खेलने के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर से मुक्त कर दिया गया है। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने टीम में ऐसे युवा खिलाड़ियों को तरजीह दी है जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर अच्छी प्रगति कर रहे हैं। इन युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव रखने वाले दिग्गज खिलाड़ियों का मार्गदर्शन मिलेगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने यहां जारी बयान में कहा, ''राउरकेला में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में टीम अंतरिम कोच के देख रेख में खेलेगी। टीम तब तक अंतरिम कोच के देखरेख में खेलेगी जब तक हॉकी इंडिया नए मुख्य कोच की घोषणा नहीं कर देता।%% भारत पहले मैच में 10 मार्च को जर्मनी जबकि 12 मार्च को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। टीम इसके बाद 13 मार्च को दूसरी बार जर्मनी जबकि 15 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। इस बीच 12 और 14 मार्च को इसी स्थल पर ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी का मुकाबला होगा।

नॉरी ने अल्कराज को हराकर रियो ओपन का जीता खिताब

कैमरून नॉरी ने धीमी शुरूआत से उबरते हुए शीर्ष वरीय कार्लोस अल्कराज को रियो ओपन के फाइनल में 5-7, 6-4, 7-5 से हराकर अपना पांचवां एटीपी खिताब हासिल किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी वरीयता प्राप्त ब्रिटिश खिलाड़ी शुरूआत में अपने खेल में थोड़ा सुस्त रहे और उन्होंने जॉकी क्लब ब्रासीलेरो की आउटडोर क्ले पर पांच डबल फॉल्ट किए। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने अहम मौकों पर धैर्य बनाए रखा और स्पेनिश वर्ल्ड नंबर 2 की कई अप्रत्याशित गलतियों का फायदा उठाते हुए दो घंटे 41 मिनट में जीत हासिल की। नॉरी ने कहा, खिताब को जीतना बहुत खास है क्योंकि मैं इस साल पहले ही कुछ फाइनल हार चुका हूं और मुझे इसे जीतना था। मेरे पास आखिरी खिताब पिछले मई में ल्योन ओपन में आया था। पिछले सप्ताहांत अर्जेंटीना ओपन के फाइनल में नॉरी को हराने वाले अलकराज चोट से परेशान दिखे।

ओकियोर एनर्जी इंडिया प्रा. लि. ने गुजरात सरकार के साथ किया एमओयू

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ग्रीन ग्रोथ के संकल्प के साथ नेट जीरो कार्बन एमिशन और हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा के आह्वान का समर्थन करने के लिए गुजरात तैयार है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में राज्य सरकार के उद्योग विभाग और ओकियोर एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच सोमवार को गांधीनगर में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कच्छ जिले में 1 मिलियन टन प्रतिवर्ष की उत्पादन क्षमता वाले ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट के विकास के लिए यह एमओयू किया गया है। 40 हजार करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ इस प्रस्तावित प्रोजेक्ट को दो चरणों में 2030 तक पूरा करने और इसके जरिए लगभग 10,400 प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगार के सृजन का लक्ष्य है। उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत की उपस्थिति में एमओयू करने वाले डेवलपर उद्योग समूह ओकियोर एनर्जी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रंजीत गुप्ता ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से प्रधानमंत्री की 'मेक इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड' की संकल्पना को साकार कर प्लांट में उत्पादित होने वाले अमोनिया को गुजरात से अंतरराष्ट्रीय स्थलों पर भी भेजा जा सकेगा। उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कमल दयानी तथा ओकियोर एनर्जी के सीईओ रंजीत गुप्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद उनका आदान-प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि अबू धाबी स्थित अबू धाबी ग्लोबल मार्केट (एडीजीएम) में शुरू हुई कंपनी ओकियोर एनर्जी ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है। कंपनी का लक्ष्य संपूर्ण भारत, मध्य पूर्व तथा उत्तर अफ्रीका (मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका-एमईएनए) में 4 गीगावाट क्षमता वाली ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया परियोजनाओं का विकास और निर्माण करना है। अपनी ऐसी ही एक और परियोजना को शुरू करने के लिए कंपनी ने गुजरात का चयन किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, उद्योग आयुक्त राहुल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती की बगैर कोई परीक्षा पास किए वडोदरा का युवक बन गया पीएसआई

अहमदाबाद । विद्यार्थी नेता युवराजसिंह ने पुलिस भर्ती में गड़बड़ी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। युवराजसिंह पुलिस भर्ती में पूरे सिस्टम की आंख में धूल झोंक कर वडोदरा के एक युवक के पीएसआई बनने का दावा किया है। इतना ही नहीं यह युवक गांधीनगर के कराई में पीएसआई की तालीम ले रहा है और वेतन भी प्राप्त कर चुका है। युवराजसिंह के मुताबिक मयूर लालजी तड़वी नामक युवक को पीएसआई की कोई भर्ती परीक्षा पास किए बगैर तालीम सेंटर में पहुंचकर पीएसआई की तालीम ले रहा है, जो कई सवाल पैदा कर रहे हैं। युवराजसिंह ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए कहा कि पीएसआई की परीक्षा के नतीजों में कहीं मयूर तड़वी का नाम नहीं है। पीएसआई की परीक्षा में वडोदरा जिले जिन्होंने परीक्षा पास कर नियुक्ति पत्र प्राप्त किया था, ऐसे पांच लोग थे। जिसमें तीसरे क्रम पर विशालसिंग तेरसिंग राठवा का नाम था। लेकिन मयूर तड़वी ने नियुक्ति पत्र में छेड़छाड़ कर तीसरे नंबर अपना दर्शाता फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार कर लिया। मयूर तड़वी ने दौड़ की परीक्षा में खुद को पास बताने के लिए दो फर्जी मुहर बनवाई और शारीरिक क्षमता की परीक्षा में खुद पास घोषित कर दिया। जबकि सच्चाई यह है कि प्रीलिमरी परीक्षा का नतीजा हो या फिजिकल परीक्षा का मयूर तड़वी का नाम कहीं नहीं है। इसके बावजूद मयूर तड़वी आज गांधीनगर के कराई में स्कोड़ 5 चेस्ट नंबर 140 के तौर पर निशस्त्र पुलिस उप निरीक्षक बेच 21 में तालीम ले रहा है। चौंकाने सवाल यह है कि कराई में पुलिस भर्ती बोर्ड के पदाधिकारियों में 4 आईपीएस अधिकारी और 1 उप सचिव होते हैं और इनकी नजर से आखिर मयूर तड़वी बच कैसे गया? फर्जीवाडा कर पीएसआई बने मयूर तड़वी को उसकी मंगेतर ने इंस्टाग्राम पर पीएसआई बनने पर बधाई दी और कहा कि आखिर हमारा सपना पूरा हो गया। साथ ही प्रमाणिकता के साथ देश के लिए काम करने की शुभकामनाएं भी दीं।

ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने हाई-स्पीड एवं परफॉर्मेंस के साथ नया एम्पियर प्राईमस इलेक्ट्रिक स्कूटर 1,09,900 रु.(एक्स-शोरूम मूल्य) में लॉन्च किया

सूरत । ग्रीव्स कॉटन लिमिटेड के ई-मोबिलिटी बिज़नेस, ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राईवेट लिमिटेड (जीईएमपीएल) ने एम्पियर प्राईमस के लॉन्च के साथ हाईस्पीड इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में प्रवेश कर लिया है। एम्पियर प्राईमस का मूल्य 1,09,900 रु.(एक्सशोरूम मूल्य) है। ग्रीव्स का यह अत्याधुनिक, ऑल-न्यू स्कूटर एलएफपी बैटरी पैक के साथ सर्वाधिक सुरक्षा, पीएमएस मोटर के साथ बेहतर परफॉर्मेंस, बेल्ट ड्राईव, और सुगम नैविगेशन के लिए स्मार्ट कनेक्टेड क्लस्टर प्रदान करता है।

प्राईमस उन ग्राहकों के लिए बेहतरीन स्कूटर है, जो बेहतर स्टाईलिंग के साथ परफॉर्मेंस, कम्फर्ट और भरोसा चाहते हैं। यह देश में ही बनाए गए उपकरणों के साथ स्थानीयकरण करते हुए कंपनी के 'मेक-इन-इंडिया' के उद्देश्य अनुरूप बनाया गया है।

एम्पियर प्राईमस की मुख्य विशेषताएं हैं:

•परफॉर्मेंस - 77 किलोमीटर प्रतिघंटा की सर्वोच्च स्पीड, 0 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड 5 सैकंड से भी कम समय में, 4 किलोवॉट की पीएमएस मोटर के साथ शक्तिशाली टॉर्क, फुल चार्ज्ड बैटरी के साथ पॉवर मोड में 100 किलोमीटर. से ज्यादा रेंज, जो ईको मोड में और ज्यादा बढ़ जाती है। सर्वश्रेष्ठ भरोसे के साथ प्राईमस को 4 मोड - ईको, सिटी, पॉवर, और रिवर्स में चलाया जा सकता है।

•सुरक्षा - स्मार्ट बीएमएस के साथ 3किलोवॉटघंटा की एलएफपी बैटरी टेक्नॉलॉजी।

•टिकाऊपन - एलएफपी कैमिस्ट्री के साथ लंबी बैटरी लाईफ।

•स्मार्ट कनेक्टिविटी - सुविधा के लिए फोन ऐप के साथ ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और नैविगेशन।

•कम्फर्ट - लंबा लेगरूम, चौड़ी सीटें, बेहतर ड्राईवेबिलिटी।

•फिनिश एवं रंग - मैट फिनिश के साथ ड्युअल टोन बॉडी पैनल्स में 4 रंगों, हिमालयन व्हाईट, रॉयल ऑरेंज, हैवलॉक ब्लू और बक बैक में उपलब्ध।

इस अवसर पर संजय बहल, एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ, ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राईवेट लिमिटेड ने कहा, "प्राईमस एम्पियर का एक फ्लैगशिप स्कूटर है, जो भारतीय परिवार द्वारा अनेक उद्देश्यों के लिए उपयुक्त है। किफायती मूल्य में शानदार तरीके से बनाया गया प्राईमस अच्छी पसंद रखने वाले आधुनिक मिलेनियल ग्राहकों के लिए बहुत आकर्षक है। इसमें सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा, टिकाऊपन, परफॉर्मेंस, कम्फर्ट, बेहतर स्टाईलिंग और स्मार्ट कनेक्टिविटी फीचर्स हैं। प्राईमस द्वारा हम न केवल अंतिम छोर तक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में एम्पियर की लीडरशिप को मजबूत करेंगे, बल्कि ज्यादा विशाल ग्राहक वर्ग को इसकी ओर आकर्षित भी कर सकेंगे।"

यूज आर्ट्स फाउंडेशन द्वारा डुमास आर्ट प्रोजेक्ट ब्लूम के 9वें संस्करण में कलात्मकता, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति की झलक दिखाई गई

सूरत भूमि, सूरत । वीआर सूरत में रचनात्मकता और कलात्मक उत्साह पूरी तरह से खिल रहा है क्योंकि युज आर्ट्स फाउंडेशन द्वारा डुमास आर्ट प्रोजेक्ट के 9वें संस्करण के माध्यम से युज आर्ट्स फाउंडेशन ने कला प्रेमियों और उत्साही लोगों के लिए खुशी और प्रेरणा फैलाना जारी रखा है। 12 फरवरी से 19 मार्च तक, डुमास आर्ट प्रोजेक्ट ने रचनात्मकता और कला को बढ़ावा देने के लिए वीआर सूरत में विविध, आकर्षक और विचारोत्तेजक गतिविधियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सूरत में विविध प्रतिभाओं का जबरदस्त प्रदर्शन हुआ है जो किसी प्रेरणा से कम नहीं है। सतत विकास में महिलाओं की भूमिका पर एक विशेषज्ञ पैनल चर्चा और पैनलिस्टों और उपस्थित लोगों से विचारों के जीवंत आदान-प्रदान के साथ यह एक शानदार सफलता थी।

माय एफएम सूरत के आरजे पलक परमार द्वारा होस्ट किया गया और पैनल के सदस्य डॉ. रिकिता पटेल, भूमि वर्धमान और नंदिनी सुल्तानिया ने महिलाओं की जरूरत को खुलकर व्यक्त किया। इतना ही नहीं, दर्शकों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नई उम्मीद जगाने की कोशिश की गई।

इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन स्टडीज सूरत द्वारा आयोजित एक टाई एंड डाई वर्कशॉप सप्ताहांत के कार्यक्रमों के लिए एक और आनंददायक जोड़ था और सरल

समय के लिए एक उदासीन वापसी थी।प्रतिभागी अपने अनुभव को अच्छी तरह से व्यक्त करने में सक्षम थे क्योंकि उन्होंने सीखा और जोशीले पेशेवरों के साथ जुड़ गए जो उत्तम और पर्यावरण के अनुकूल शिल्प में अपनी विशेषज्ञता साझा करने में प्रसन्न थे। कार्यशाला ने प्रतिभागियों के लिए प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक तकनीकों का उपयोग करके अपने हाथों से कुछ सुंदर बनाने के लिए अपने प्यार को फिर से जगाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

उन्होंने आगे प्रतिभागियों को हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के महत्व और पारंपरिक कला रूपों की निर्विवाद अपील की याद दिलाई।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सातवा प्योर विवाह उत्सव मनाया, हीरा उद्यमी गोविंद काका ने 70 बेटियों की शादी कराई

सूरत भूमि, सूरत।

25 फरवरी 2023 को हीरा उद्योग की विश्व प्रसिद्ध कंपनी श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्रा. (SRK) की CSR शाखा SRK नॉलेज फाउंडेशन ने अपना 7वां "प्योर विवाह" (सामूहिक विवाह) गोपिन गांव, सूरत में आयोजित किया। यह विवाह उत्सव स्वतंत्र भारत के 75वें गौरवशाली वर्ष (आजादी का अमृत महोत्सव) के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

सामूहिक विवाह में गुजरात के माननीय अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल, रेल और कपड़ा राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश, राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया, राज्य के वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री मुकेश पटेल, सूरत नगर निगम की महापौर हेमालीबेन बोघावाला, सूरत के व्यवसायी, नेता और गुजरात फिल्म उद्योग की अभिनेत्री जानकी बोडीवाला और हितेन कुमार भी इस अवसर पर नव दंपतियों को आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित थे।

सामूहिक विवाह के विषय में अधिक जानकारी देते हुए रामकृष्ण वेलफेयर ट्रस्ट के जयंतीभाई नरोला ने बताया कि, " भारत की आजादी के गौरवशाली 75 वर्ष पूरे होने का जश्न हर जगह मनाए जा रहा है, तब इसी के तहत हमने भी "प्योर विवाह" उत्सव के माध्यम से सामाजिक कार्य के जरिए इस उत्सव में भाग लेना चाहते थे।"

सामूहिक विवाह में पूरा ढोलकिया परिवार, साथी और शुभचिंतक मौजूद रहे। इस सामूहिक विवाह में करीब 12000 लोग शामिल हुए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए एक अनूठी पहल की गई। यहां उपस्थित प्रत्येक अतिथि को एक पवित्र तुलसी का पौधा उपहार में दिया गया। दाम्पत्य जीवन में कदम रखने वाली बेटियों में से प्रत्येक के लिए 3 लाख रुपए की चीजे भेंट की गई। प्रत्येक जोड़े के लिए धूमधाम से सामूहिक वरमाला का आयोजन किया गया ताकि पूरा माहौल ऐसा लगे मानो सभी बेटियों की शादी उनके अपने घर के आंगन में हो रही हो। इस सामूहिक विवाह की खास बात यह रही कि एस आर के की मैनेजमेंट टीम को एक साथ बेटियो का कन्यादान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

एसआरकेकेएफ के संस्थापक और अध्यक्ष श्री गोविंदकाका ने कहा कि "ये सभी बेटियां हमारे परिवार की बेटियां हैं, ताकि उन्हें किसी तरह की हीन भावना न हो और यह महसूस हो कि उन्होंने सामूहिक विवाह के बजाय अपने घर के आंगन में शादी की है।

SRKKF के संस्थापक और अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आयोजित "प्योर विवाह" में अब तक 750 से अधिक जोड़े परिणय सूत्र में बंध चुके हैं। इस सामूहिक विवाह में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच चुकी बेटियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इनमें पुलिस कॉन्स्टेबल प्रीतिबेन पटेल, श्रेया झूमर, जिन्हें विश्व बैंक ने कम उम्र में नौकरी की पेशकश की थी, और नासा की छात्रा ध्रुवी जसानी शामिल थीं।

द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल द्वारा लक्ष्य अर्जुन "प्रतिभाशाली छात्र प्रशंसा समारोह" आयोजित किया गया

सूरत ।

रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल ने 10वीं और 12वीं कक्षा के विज्ञान/वाणिज्य के लगभग 1200 छात्रों के "लक्ष्य अर्जुन-2" प्री-बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित करने के बाद में कक्षा 10 के शीर्ष 25 छात्रों और 12 वीं कक्षा के शीर्ष 15 छात्रों के लिए "प्रतिभाशाली छात्र पुरस्कार समारोह" आयोजित किया गया।

इस समारोह में लगभग 80 अन्य स्कूली छात्रों के साथ उनके माता-पिता और शिक्षण स्टाफ उपस्थित थे और छात्रों को ट्रॉफी, छात्रवृत्ति और पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही आगामी मार्च-2023 की बोर्ड परीक्षा एवं भविष्य में सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं अपने करियर को उज्जवल बनाने एवं सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने हेतु दी रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल परिवार की ओर से दिया गया।

स्कूल के प्रबंध निदेशक किशन मांगूकिया ने उपरोक्त पुरस्कारों के साथ कक्षा 11वीं के विज्ञान/वाणिज्य में उच्च अध्ययन के लिए कक्षा 10 के सभी 600 छात्रों को 25%, 50% और 100% छात्रवृत्ति की घोषणा की। साथ ही स्कूल के कैंपस निदेशक आशीष वाघानी ने बोर्ड परीक्षा के बाद 10 अप्रैल 2023 से ब्रिज कोर्स निशुल्क शुरू करने की घोषणा की। विद्यालय के प्राचार्य ने इस परीक्षा की सफलता का श्रेय विद्यालय के सभी शिक्षकों, प्रश्नपत्र निर्धारकों एवं मूल्यांकनकर्ताओं को दिया, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल थे।

जनरल मैनेजर अशोक कुमार मिश्रा पश्चिम रेलवे मुंबई डिविजन ने ली व्यारा स्टेशन की मुलाकात

तापी जिला उत्तर भारतीय सेवा समाज के द्वारा जनरल मैनेजर को दिया गया ज्ञापन

उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों की स्टॉपेज की मांग की गई

सूरत भूमि संवाददाता गिरिजाशंकर मिश्रा, तापी। दिन पश्चिम रेलवे मुंबई डिवीज़न के जनरल मेनेजर श्रीमान अशोक कुमार मिश्राजी व्यारा रेलवे स्टेशन की मुलाकात ली। इस अवसर पर बारडोली प्रान्त के सांसदश्री प्रभुभाई वासावाजी उपस्थित रहे। एवं ट्रेन स्टॉपज एवं प्राथमिक सुविधाओ के बारे मे चर्चा - विचारणा की गई।

इस अवसर पर तापी जिला रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य और तापी जिला उत्तर भारतीय सेवा समाज के महामंत्री श्री विनोदभाई रामप्यारे मिश्राजी ने उत्तरप्रदेश, बिहार और राजस्थान की ओर जाने वाली गाड़िया को व्यारा स्टेशन पर स्टॉपज के बारे मे लिखित मे आवेदन दिया गया । जनरल मैनेजर अशोक कुमार मिश्रा जी ने तापी जिला उत्तर भारतीय सेवा समाज के लोगों को आश्वासन दिया कि आपकी इन मांगों को रेलवे प्रशासन द्वारा जल्द ही पूरा किया जाएगा।

पी.पी. सवाणी ने किया सिद्धि प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत । साहस, सेवा और सिद्धि ये तीनों सम्मान के अधिकारी हैं और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में हमेशा से आगे रहने वाले सूरत के पी.पी. सवाणी ग्रुप द्वारा सेवा सुगंध की परिभाषा अलग है। पीपी सवाणी की सामाजिक जिम्मेदारी की यात्रा सेवा पर ही नहीं रुकती। समाज के लिए अच्छा काम कर रहे हैं या करने जा रहे हैं उन अचीवर्स को सम्मानित करने के काम को भी सामाजिक जिम्मेदारी मानता है और उस जिम्मेदारी को निभाने के लिए शनिवार शाम पीपी सवाणी चैतन्य विद्या परिसर अन्नामा में सिद्धि प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पीपी सवाणी ग्रुप और ई.एम.चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र (CET CENTRE) द्वारा आयोजित इस अभिनंदन समारोह में सेट सेंटर में प्रशिक्षण लेकर राज्य और केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में सेवारत वर्ग एक, दो और तीन के अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत शाम के समय पीपी सवाणी चैतन्य विद्यासंकुल के मैदान में गणेश वंदना से हुई। उसके बाद समारोह में मौजूद करीब 18 गणमान्य लोगों का मंच से स्वागत किया गया। इसके बाद सीईटी केंद्र में वर्ष 2002 से 2022 तक वर्ग 1,2,3 के अधिकारियों को मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। पीपी सवाणी ग्रुप के वल्लभभाई सवाणी, महेश सवाणी, डॉ. एन.एल. कलथिया, सहित विशिष्ट अतिथियों ने अधिकारियों का सम्मान किया। सम्मानित अधिकारियों में मुस्लिम अधिकारी भी थे। जाति भेद के बिना सभी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पीपी सवाणी ग्रुप द्वारा संचालित विभिन्न स्कूल के छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे। यूपीएससी और जीपीएससी की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए यह कार्यक्रम प्रेरणा का स्रोत बन रहा। इस मौके पर पीपी सवाणी ग्रुप के महेश सवाणी ने कहा कि पीपी सवाणी और ईएम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 2002 में प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया गया। 20 साल में वर्ग एक, दो और तीन के 548 अधिकारी देश को इस सेंटर से मिले हैं। मैं उन सभी अधिकारियों को सलाम करता हूं और उनके माता- पिता को भी प्रणाम करता हूं। क्योंकि उन्होंने अपने बेटों को एक नई दिशा दी। पीपी सवाणी को अपने इन छात्रों पर गर्व है और प्रार्थना करता हूं कि अधिक से अधिक छात्र इस परीक्षा की तैयारी करें और सफल हों।

जीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष दिनेश दासा ने इस मौके पर कहा कि विद्या ही दूसरों की राह के कांटों को दूर कर सकती है। पीपी सवाणी शिक्षा संकुल में जिन्होंने शिक्षा प्राप्त की वे ऐसे ही हैं। उन्होंने जीपीएससी यूपीएससी पास करने वालों और तैयारी कर रहे सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी।

समारोह के अध्यक्ष पवन सिंह ने कहा कि जब आप अधिकारी बनें तो आम आदमी की भावनाओं को ध्यान से सुनें और उनका निराकरण करें। आप अपने संघर्ष को कभी नहीं भूलना। जब कोई आपके पास समस्या लेकर आता है, तो ऐसे कार्य करें जैसे कि आप उनकी जगह पर हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)